दैनिक
सनातन वीर
Reg. No. MPHIN/25A3002
राष्ट्रहित, धर्मरक्षा जनसेवा को समर्पित

नगर संस्करण | इंदौर, शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 | वर्ष : 01, अंक : 221, कीमत : 03 रुपए, पृष्ठ : 8

रथ यात्रा स्तुति मंत्र:नीलाचल निवासाय नित्याय परमात्मने। बलभद्र सुभद्राभ्यां जगन्नाथाय ते नमः॥

(अर्थ: जो नित्य और परमेश्वर भगवान नीलाचल [पुरी] में निवास करते हैं, उन बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ को मेरा नमन है।

अनाथ रक्षक श्लोक : अनाथस्य जगन्नाथ नाथस्त्वं में न संशयः।यस्य नाथों जगन्नाथस्तस्य दुःखं कथं प्रभो॥

(अर्थ: हे जगन्नाथ! आप अनाथों के नाथ हैं, इसमें कोई संशय नहीं है। हे प्रभो! जिसके स्वामी स्वयं जगन्नाथ हों, उसे भला दुःख कैसा?)

रथ स्पर्श का श्लोक: रथं स्पृष्ट्वा प्रेम्णा विरलरथयात्रा सुरभितम्। जगन्नाथं नत्वा चरमचिरसौख्यं भवतु में॥

(अर्थ: भगवान जगन्नाथ के सुगंधित दिव्य रथ का प्रेमपूर्वक स्पर्श करके और उन्हें नमन करके मैं परम और शाश्वत सुख प्राप्त करूं।)

रथयात्रा में भारी भीड़ से भगदड़, 2 की मौत, 5 श्रद्धालु अस्पताल में भर्ती

पुरी ● एजेंसी

ओडिशा के पुरी में गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल हो गए। दो श्रद्धालु की मौत की भी खबर है।

यह घटना बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) पर हुई, जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ खींचने के कार्यक्रम को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु जमा हुए थे।

आपातकालीन बचाव दलों ने घायलों को तुरंत बाहर निकाला और पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग और स्वास्थ्य कर्मियों ने तुरंत बचाव और भीड़ को नियंत्रित करने का अभियान शुरू किया, ताकि स्थिति सामान्य की जा सके। पुरी में घटनास्थल पर मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया कि मरीचि कुंड चौक के पास या तो बाहरी घेरे की रस्सी की बैरिकेड गिर गई या कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए।

उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं।

उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है।

इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि गुरुवार को श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और विभिन्न चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 मरीजों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है।

जगन्नाथ रथ यात्रा भारत के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। इसमें हर साल देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। भगदड़ के सही कारण की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अधिकारी स्थिति का जायजा ले रहे हैं।

गुरुवार को पवित्र तटीय शहर पुरी में भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए। विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा उत्सव की शुरुआत निर्धारित समय से पहले ही दिन में दिव्य भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं के लिए 'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के साथ हुई।

'पहंडी बीजे' अनुष्ठान के दौरान पवित्र भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर से उनके सजाए गए रथों तक भव्य शोभायात्रा के साथ ले जाया गया। इस दौरान घंटा, कहली और तेलिंगी बाजा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर और दिव्य ध्वनि पूरे वातावरण में गूंजती रही।

सीएम माझी दुख जताया

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना में हुई मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए।

पेट्रोल सस्ता, फिर भी इथेनॉल पर दांव क्यों? लागत से आगे की है पूरी कहानी

नई दिल्ली ● एजेंसी

अगर सवाल सिर्फ उत्पादन लागत का हो, तो पेट्रोल स्पष्ट रूप से इथेनॉल पर भारी पड़ता है। भारत में रिफाइनरी से निकलने वाले पेट्रोल की बेस उत्पादन लागत 54 से 57 प्रति लीटर के बीच है। रिफाइनिंग, परिवहन और अन्य खर्च जोड़ने के बाद इसकी कुल लागत लगभग 76 से 79 प्रति लीटर तक पहुंचती है।

दूसरी ओर, इथेनॉल की वास्तविक लागत इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल पर निर्भर करती है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, सरकारी सहायता और अन्य राजकोषीय लागतों को शामिल करने पर चावल आधारित इथेनॉल की अनुमानित लागत 126 प्रति लीटर, मक्का आधारित 95 प्रति लीटर और गन्ने के रस से बनने वाले इथेनॉल की 85.5 प्रति लीटर तक बैठती है। मामला केवल उत्पादन लागत तक सीमित नहीं है। ऊर्जा क्षमता के लिहाज से भी पेट्रोल आगे है। एक लीटर पेट्रोल लगभग 32 मेगाजूल ऊर्जा देता है, जबकि एक लीटर इथेनॉल से करीब 21 मेगाजूल ऊर्जा मिलती है। यानी समान दूरी तय करने के लिए इथेनॉल की अधिक मात्रा की जरूरत पड़ती है। इसी वजह से ऊर्जा-समतुल्यता के आधार पर इथेनॉल की प्रभावी लागत पेट्रोल से कहीं अधिक दिखाई देती है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल उठता है कि यदि इथेनॉल महंगा है और उसकी ऊर्जा क्षमता भी कम है, तो भारत समेत दुनिया के कई देश इसे बढ़ावा क्यों दे रहे हैं?

इसका जवाब अर्थशास्त्र से ज्यादा भू-राजनीति और राष्ट्रीय रणनीति में छिपा है।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक हिस्सा विदेशों से आयात करता है। पश्चिम एशिया में तनाव, ओपेक देशों के उत्पादन फैसले या वैश्विक संकट के समय तेल की कीमतें तेजी से बढ़ जाती हैं। ऐसे में पेट्रोल में इथेनॉल की ब्लेंडिंग आयातित तेल पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनती है।

इसके अलावा, दुनिया कार्बन उत्सर्जन घटाने और नेट-जीरो लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इथेनॉल जैसे जैव-ईंधन जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने का

विकल्प प्रदान करते हैं और पर्यावरणीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करते हैं। इथेनॉल का एक बड़ा सामाजिक और आर्थिक पहलू भी है। गन्ना, मक्का और कृषि अवशेषों से इथेनॉल उत्पादन बढ़ने से किसानों को अतिरिक्त बाजार मिलता है, चीनी मिलों और डिस्टिलरी उद्योग का विस्तार होता है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नकदी का प्रवाह बढ़ता है। इससे रोजगार और आय के नए अवसर भी पैदा होते हैं।

यही कारण है कि सरकारें इथेनॉल को केवल ईंधन के रूप में नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा बचत, किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी दीर्घकालिक रणनीति के रूप में देख रही हैं।

निष्कर्ष – पहली नजर में इथेनॉल का गणित महंगा दिखाई दे सकता है, लेकिन राष्ट्रीय हितों के व्यापक परिप्रेक्ष्य में यह केवल ईंधन नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, आयात निर्भरता में कमी, किसानों की समृद्धि और भविष्य की रणनीतिक सुरक्षा में किया गया निवेश है। इसलिए इथेनॉल की सफलता का आकलन केवल प्रति लीटर लागत से नहीं, बल्कि देश को मिलने वाले दीर्घकालिक आर्थिक, सामरिक और पर्यावरणीय लाभों से किया जाना चाहिए।

गगनयान मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों ने ISRO छोड़ा

बेंगलुरु। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (ISRO) से पिछले 10 महीनों में 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने या तो इस्तीफा दे दिया है या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (VRS) ले ली है। नौकरी छोड़ने वाले वैज्ञानिकों में गगनयान और दूसरे अहम मिशनों से जुड़े वैज्ञानिक भी शामिल हैं। इसके बाद अंतरिक्ष विभाग ने 14 जुलाई को नया निर्देश जारी किए हैं। नौकरी छोड़ने की प्रक्रिया अब सख्त की जाएगी। इस मामले में केंद्रीय विज्ञान और तकनीकी राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ISRO में लोग आते-जाते रहते हैं। इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ वैज्ञानिक विक्टर जोसेफ टी भी शामिल हैं। वे LVM3 प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। यही लॉन्च व्हीकल गगनयान मिशन में इस्तेमाल किया जाएगा।

किसी हिम्मत नहीं मेरे कार्यकर्ताओं का नुकसान कर दें : नरोत्तम मिश्रा

आशुतोष की छमता नहीं मेरा टिकट काट दें वे कोई और उन तक पंहुचना आपकी छमता नहीं उनसे भी बात करेंगे

दतिया ● एजेंसी

बीजेपी के सीनियर लीडर डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अपने समर्थकों से कहा, 'किसी की हिम्मत नहीं कि मेरे कार्यकर्ताओं का नुकसान कर दे। अगर नौबत आई तो मैं भी तुम्हारे साथ जेल जाऊंगा।' पूर्व गृहमंत्री ने ये बात गुरुवार को दतिया में कही। वे बीजेपी दफ्तर में कार्यकर्ताओं की बैठक में बोल रहे थे। इस दौरान उपचुनाव में पार्टी के प्रत्याशी आशुतोष तिवारी भी उनके साथ थे।

मिश्रा ने कहा, 'लोग कहने लगे कि आशुतोष ने टिकट काट दिया। उसकी क्षमता है टिकट काटने की? टिकट काटने वाले कोई और हैं। वहां हमें बात करनी है, हम करेंगे। उस दिन आप लोगों की आंखों में आंसू देखकर मैं भी भावुक हो गया था। कुछ लोग कह रहे हैं कि भाजपा से बदला लेना है। अरे भाई बदला भाजपा से नहीं, कांग्रेस से लेना है। हर हाल में आशुतोष तिवारी को जिताना है।'

कार्यकर्ताओं को दिलाई पीतांबरा माई की शपथ- नरोत्तम ने कहा कि वे हमेशा अपने चुनाव से ज्यादा दूसरे चुनावों में ताकत लगाते रहे हैं। साथ ही कार्यकर्ताओं को

आश्वस्त करते हुए बोले कि यदि किसी पर प्रशासनिक कार्रवाई होती है तो वे उसके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पीतांबरा माई की कसम खिलाकर बीजेपी के पक्ष में मतदान कराने का संकल्प भी दिलाया।

नरोत्तम ने कहा- जो हुआ, भ्रम-क्रोध में आकर हुआ। दतिया के दुकानदार भाइयों ने तीन दिन बाजार बंद रखा, उनका तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूं। कार्यकर्ता बंधुओं, मैं तुम्हारे मन को समझ रहा हूं। तुम भी मेरे मन को समझने की कोशिश करो।

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

तेहरान/वॉशिंगटन ● एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की नई तैनाती पर रोक लगा दी है। यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन

कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस (RPSL) कंपनियों पर लागू होगा। सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि वे नौवहन संबंधी सभी चेतावनियों और सुरक्षा सलाह पर लगातार नजर रखें और इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट फैसिलिटी सिक्योरिटी (ISPS) कोड का पूरी तरह पालन करें। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इसी हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास हुए ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा बढ़ गया है।

चार टीमें तलाश में जुटीं, खलघाट में देखे जाने की सूचना

पांच दिन बाद भी पति फरार, 10 हजार का इनाम घोषित

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में डाक विभाग की पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी हत्याकांड में पांच दिन बाद भी मुख्य आरोपी और मृतका के पति अखिलेश सैनी का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस की चार से अधिक टीमें अलग-अलग जगहों पर उसकी तलाश में जुटी हैं। आरोपी की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

11 जुलाई को हुई थी हत्या

11 जुलाई को डाककुंज कॉलोनी स्थित सरकारी आवास में 38 वर्षीय पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या कर दी गई थी। घटना के समय उनके दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे। स्कूल से लौटने पर बच्चों ने घर के अंदर मां का खून से लथपथ शव देखा। वारदात के बाद से उर्मिला का पति अखिलेश सैनी फरार है।

मोबाइल साथ नहीं ले गया आरोपी

जांच अधिकारियों के मुताबिक अखिलेश ने पूरी वारदात पहले से योजना बनाकर की। पुलिस का मानना है कि उसे यह जानकारी थी कि जांच में मोबाइल फोन सबसे अहम सुराग होता है। इसी वजह से वह अपने दोनों मोबाइल फोन घर पर छोड़कर फरार हुआ, जिससे उसकी लोकेशन और संपर्कों का पता नहीं चल पा रहा है।

नई सिम और डिजिटल लेनदेन के भी नहीं मिले सुराग

पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने फरारी के दौरान नई सिम खरीदी होगी, लेकिन अभी तक इसका कोई सबूत नहीं मिला है। बैंक खाते, यूपीआई और अन्य डिजिटल भुगतान माध्यमों से भी उसकी कोई गतिविधि सामने नहीं आई है। जांच में पता चला है कि आरोपी बच्चों को दोपहिया वाहन की चाबी देने के बाद ऐसे रास्ते से निकला, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे। बाद में उसके फुटेज इंदौर रेलवे स्टेशन पर मिले। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि उसने दिल्ली जाने के लिए ट्रेन का टिकट बुक कराया था, लेकिन बाद में उसे रद्द कर दिया। इसके बाद वह सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र की ओर जाता दिखाई दिया।

पुलिस को कुछ दिन पहले सूचना मिली थी कि अखिलेश सैनी को खलघाट क्षेत्र में देखा गया था। इस सूचना की भी जांच की जा रही है, हालांकि अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

कारोबार और रिश्तेदारों पर भी नजर

पुलिस आरोपी के अगरबत्ती कारोबार से जुड़े लोगों की भी जानकारी जुटा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि वह किसी परिचित, कारोबारी या रिश्तेदार के संपर्क में तो नहीं है। भोपाल में रहने वाले उसके माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों से भी पूछताछ की गई है।

ओंकारेश्वर में हुआ अस्थि विसर्जन

उधर, उर्मिला सैनी की अस्थियों का ओंकारेश्वर में विसर्जन कर दिया गया है। अब उनके दोनों बच्चे प्रेक्षा और अव्यक्त की शेष शोक रस्में खंडवा स्थित नाना-नानी के घर पर पूरी कराई जाएंगी। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश लगातार जारी है। उसकी गिरफ्तारी या उसके बारे में पुख्ता सूचना देने वाले को 10 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संक्षेप

स्टोर मैनेजर ने 10 लाख के जूते-कपड़े बेचकर रकम हड़पी

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में सी-21 मॉल स्थित एक शोरूम के स्टोर मैनेजर पर करीब 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उसने बिना बिल के जूते, कपड़े और अन्य सामान बेचकर ग्राहकों से पैसे अपने खाते में ट्रांसफर कराए। विजयनगर पुलिस के मुताबिक, सुयश विहार कॉलोनी निवासी कंपनी मैनेजर सितलेश यादव की शिकायत पर रोशन कुमार यादव के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया है। रोशन मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और सी-21 मॉल स्थित एसिक्स (ASICS) शोरूम में स्टोर मैनेजर था। वह जून 2024 में नौकरी पर रखा गया था और 13 सितंबर 2025 को नौकरी छोड़कर चला गया।

बीच-बचाव करने पर कपड़ा व्यापारी पर हमला

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में कपड़ा व्यापारी पर दो से ज्यादा बदमाशों ने हमला कर दिया। व्यापारी ने दिन में दुकान के बाहर हो रहे विवाद में बीच-बचाव किया था। आरोप है कि रात में घर लौटते समय रेलवे अंडरब्रिज के पास बदमाशों ने उसे घेरकर हमला कर दिया। घायल व्यापारी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लसूड़िया थाना पुलिस के मुताबिक गौरी नगर निवासी शुभम यादव की शिकायत पर विनय और उसके साथियों के खिलाफ मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। शुभम ने पुलिस को बताया कि उसकी सिंगापुर टाउनशिप में रेडीमेड कपड़ों की दुकान है।

चोरल-कालाकुंड मार्ग पर क्षतिग्रस्त रपटों का निर्माण शुरू

महू। चोरल-कालाकुंड मार्ग पर वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़ी दो रपटों के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। बरसात के दौरान इन रपटों की खराब स्थिति के कारण ग्रामीणों और पर्यटकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के मौसम में क्षतिग्रस्त रपटों के कारण मार्ग कई बार जोखिमभरा हो जाता था। इससे आसपास के गांवों के लोगों के साथ कालाकुंड आने वाले पर्यटकों को भी आवाजाही में दिक्कत होती थी। कुछ दिन पहले जिला कलेक्टर ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त रपटों का निरीक्षण किया था। इसके बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर निर्माण कार्य को मंजूरी मिली और काम शुरू कर दिया गया।

नाना पटवारी के साथियों ने कबूला, चार पर केस दर्ज

20 से 100 रुपए मिलता है क्रिकेट सट्टे का कमीशन

इंदौर ● संवाददाता

एमडी ड्रग्स के मामले में आरोपी नाना पटवारी और उसके साथी सुमित मंत्री से बुधवार देर रात तक राजेंद्र नगर थाना पुलिस ने पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि नाना के साथी ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट ऑल पैनल पर क्रिकेट सट्टे के कमीशन एजेंट थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें प्रत्येक लेनदेन पर कमीशन मिलता था।

जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने नाना के चार साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल इस प्रकरण में नाना पटवारी का नाम आरोपी के रूप में शामिल नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार जांच में संजय कौशल, मनीष जादौन, दिनेश उर्फ लल्ला चौहान, प्रीतेश त्रिपाठी सहित अन्य लोगों की भूमिका सामने आई है। इन पर ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे का नेटवर्क संचालित करने और बेटिंग आईडी उपलब्ध कराने का आरोप है। जांच में सामने आया कि कृष्णा नगर निवासी संजय कौशल ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट ऑल पैनल पर क्रिकेट सट्टे का कमीशन एजेंट था। प्रत्येक लेन देन पर उसे 20 से 100 रुपए तक कमीशन मिलता था। पूछताछ में संजय ने पुलिस को बताया कि सच्चिदानंद नगर (महू नाका) निवासी मनीष पमनानी उसे ऑलपैन एक्स और ग्रेडटेक्स डॉट कॉम की बेटिंग लिंक उपलब्ध कराता था। ये लिंक वॉट्सऐप के जरिए भेजी जाती थीं, जिन पर 5 हजार रुपए या उससे अधिक बैलेंस वाली बेटिंग आईडी मिल जाती थी।

डायरी में दर्ज था पूरा हिसाब

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि दिनेश उर्फ लल्ला चौहान, मनीष जादौन और प्रीतेश त्रिपाठी को ऑनलाइन बेटिंग ऐप की आईडी उपलब्ध कराई गई थी। इन आईडी और लेनदेन का पूरा हिसाब संजय कौशल एक डायरी में दर्ज करता था। अब पुलिस डायरी जब्त करने की तैयारी में है। डायरी में दर्ज नामों और लेनदेन के आधार पर अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

आईटी एक्ट और सट्टा कानून के तहत केस

राजेंद्र नगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ ऑनलाइन जुआ, क्रिकेट सट्टा संचालन और आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। जांच में यदि नाना पटवारी की संलिप्तता के ठोस साक्ष्य मिलते हैं तो उसके खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर के साथ ऑनलाइन ठगी, खरीदे 37 हजार के गिफ्ट वाउचर

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल के डॉक्टर साइबर ठगी का शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने उनके क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग कर अमेजन से 37 हजार रुपए के गिफ्ट वाउचर खरीद लिए। मामले की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक निजी अस्पताल में कार्यरत डॉ. दीपक पाटीदार 7 जून को विजयनगर क्षेत्र में थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर क्रेडिट कार्ड का 37 हजार रुपए का बिल आया। जांच करने पर पता चला कि उनके कार्ड से अमेजन के गिफ्ट वाउचर खरीदे गए हैं। ठगी का पता चलते ही उन्होंने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नौकरी का झांसा देकर युवतियों को बंधक बनाने का आरोप

इंदौर। रतलाम की चार युवतियों ने इंदौर पुलिस कमिश्नर से शिकायत कर आरोप लगाया है कि आयुर्वेदिक कंपनी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर उन्हें राजेंद्र नगर क्षेत्र में बंधक बनाकर रखा गया। युवतियों का दावा है कि उन्हें जबरन लड़कों के साथ हॉस्टल में रखा गया और अन्य लड़कियों को भी बुलाने का दबाव बनाया जा रहा था। किसी तरह वहां से भागकर वे रतलाम पहुंचीं और परिजनों को पूरी जानकारी दी। शिकायत मिलने पर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने मामले की जांच के निर्देश दिए। महिला थाना प्रभारी श्रद्धा यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम युवतियों को साथ लेकर राजेंद्र नगर क्षेत्र पहुंची। युवतियों की निशानदेही पर आनंद फार्म हाउस के पास स्थित एक मल्टी में दबिश दी गई।

युवती ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का लगाया आरोप

दूल्हे को शादी के मंडप से उठा ले गई इंदौर पुलिस

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के चंदन नगर थाना पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में सीहोर निवासी युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस की टीम बुधवार को सीहोर पहुंची और शादी समारोह के दौरान मंडप से दूल्हे को हिरासत में लेकर इंदौर ले आई। मामले में युवती की शिकायत पर दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप

चंदन नगर थाना पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली एक युवती ने शिकायत दर्ज कराई है कि सीहोर निवासी रवि विश्वकर्मा ने शादी का वादा कर उससे प्रेम संबंध बनाए। इस दौरान करीब 1 साल तक उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया। युवती ने बताया कि वह दो दिन से शिकायत लेकर थाने के चक्कर लगा रही थी। शिकायत मिलने के बाद महिला पुलिसकर्मियों ने आरोपी रवि विश्वकर्मा को फोन कर थाने बुलाया, लेकिन उसने आने से मना कर दिया।

शादी के मंडप से हिरासत में लिया

आरोपी के थाने नहीं आने पर चंदन नगर पुलिस की टीम बुधवार को सीहोर पहुंची। वहां रवि की शादी चल रही थी। पुलिस ने उसे शादी की रस्मों से पहले ही मंडप से हिरासत में लिया और इंदौर लेकर आ गई। इसके बाद युवती की शिकायत पर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया।

बहन के घर आने-जाने के दौरान हुई पहचान

पुलिस के अनुसार रवि विश्वकर्मा की बहन चंदन नगर क्षेत्र में रहती है। वह अक्सर अपनी बहन के घर आता-जाता था। इसी दौरान उसकी पहचान पड़ोस में रहने वाली युवती से हुई। दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। युवती का आरोप है कि आरोपी ने शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी करने से इनकार कर दिया।

पहले समझौते का प्रयास, फिर एफआईआर

पुलिस ने बताया कि शुरुआती स्तर पर आरोपी को थाने बुलाकर दोनों पक्षों के बीच बातचीत कराने और मामले का समाधान निकालने का प्रयास किया गया था। लेकिन आरोपी के थाने नहीं आने पर युवती की शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

कॉलेज के बाहर छात्राओं से अश्लील इशारे

इंदौर ● संवाददाता

देश के सबसे स्वच्छ और सुरक्षित शहरों में गिने जाने वाले इंदौर में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राओं ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कॉलेज परिसर और आसपास बढ़ रही असामाजिक गतिविधियों की शिकायत की तथा सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई।

छात्राओं का आरोप है कि कॉलेज के बाहर कुछ असामाजिक तत्व रोजाना उनका पीछा करते हैं, अभद्र टिप्पणियां करते हैं और अश्लील इशारों के जरिए उन्हें परेशान करते हैं। उन्होंने बताया कि कई युवक मोबाइल पर अश्लील फोटो और वीडियो दिखाते हैं तथा सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय हरकतें करते हैं, जिससे छात्राओं में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। छात्राओं के अनुसार कॉलेज में करीब 10 हजार छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। उनका कहना है कि पिछले तीन वर्षों से इस संबंध में कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन पुलिस की कार्रवाई कुछ समय बाद धीमी पड़ जाती है और स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

सीसीटीवी कैमरे, पेट्रोलिंग और स्थायी सुरक्षा की मांग

छात्राओं ने प्रशासन से कॉलेज परिसर और आसपास नियमित पुलिस पेट्रोलिंग, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, महिला पुलिस की तैनाती तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त और स्थायी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करना उनका अधिकार है और इसके लिए प्रशासन को प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

कलेक्टर ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

मामले को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि छात्राओं की शिकायत गंभीर है और इसे प्राथमिकता से लिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश देने की बात कही।

इंदौर में मेडिकल छात्र और बुजुर्ग ने दी जान

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर के निजी मेडिकल कॉलेज के एक छात्र और लसूडिया इलाके में रहने वाले एक बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है।

खुड़ैल थाना पुलिस के मुताबिक निजी मेडिकल कॉलेज के थर्ड ईयर के छात्र रामगोपाल पाल (21) ने बुधवार दोपहर हॉस्टल परिसर में जहरीला पदार्थ खा लिया। कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां रात में उनकी मौत हो गई। रामगोपाल बड़वाह के पास रामगढ़ के रहने वाले थे। पुलिस को उनके कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। तबीयत गंभीर होने के कारण उनके बयान भी दर्ज नहीं हो सके। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच जारी है।

पेट की बीमारी से परेशान बुजुर्ग ने फांसी लगाई

लसूडिया थाना क्षेत्र के बापू गांधी नगर में रहने वाले राजेश जाधव (60) ने बुधवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार, राजेश ने घटना से पहले पत्नी को ऊपर के कमरे में चाय लेकर आने के लिए कहा था। जब पत्नी चाय लेकर पहुंची तो वह फंदे पर लटके मिले। परिवार ने शुरुआती बयान में बताया है कि वह पिछले कुछ समय से पेट की बीमारी से परेशान थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक विवाहित बेटी हैं।

15 साल पुराने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट का फैसला, अटैच संपत्ति पर किसी ने नहीं किया दावा

ईडी केस में बरी, 2.19 करोड़ की संपत्ति राजसात

इंदौर ● संवाददाता

इंदौर में करीब 15 साल पुराने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में विशेष कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी दंपती को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप से दोषमुक्त कर दिया, लेकिन ईडी की ओर से अटैच की गई करीब 2.19 करोड़ रुपए की संपत्ति पर किसी ने दावा नहीं किया। इसके चलते कोर्ट ने उस संपत्ति को शासन के पक्ष में राजसात करने के आदेश दिए हैं।

2011 में दर्ज हुआ था मामला

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 2011 में महू स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के तत्कालीन क्लर्क राजेश नीम और अंजना नीम के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। इससे पहले राजेश नीम के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं में पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इसी प्रकरण के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई शुरू की थी।

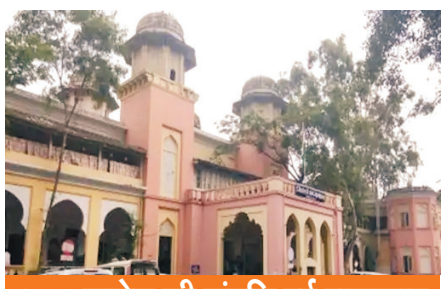

2.19 करोड़ की संपत्ति हुई राजसात

मामले की जांच के दौरान ईडी ने बैंक खातों के साथ इंदौर के इंद्रपुरी और महू स्थित एक प्लॉट समेत करीब 2.19 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति अटैच की थी। सुनवाई के दौरान आरोपियों ने इन बैंक खातों और अटैच संपत्तियों पर अपना कोई दावा पेश नहीं किया। उनका कहना था कि यह संपत्ति उनकी नहीं है। इसके बाद विशेष कोर्ट ने 14 जुलाई को आदेश जारी कर पूरी अटैच संपत्ति शासन के पक्ष में राजसात करने के निर्देश दिए।

पहले पुलिस केस में हुए थे दोषमुक्त

पुलिस द्वारा दर्ज मूल आपराधिक मामले में फरवरी 2023 में दोनों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया था। इसके बाद आरोपियों ने विशेष पीएमएलए कोर्ट में आवेदन देकर मनी लॉन्ड्रिंग मामले से भी बरी किए जाने की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का दिया हवाला

विशेष न्यायाधीश राजेंद्र कुमार पाटीदार की अदालत ने आवेदन स्वीकार करते हुए दोनों आरोपियों को मनी लॉन्ड्रिंग मामले से दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के दो फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि मूल अपराध में आरोपी अंतिम रूप से दोषमुक्त हो जाता है तो उसके खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि मूल मामले में दोषमुक्ति के फैसले के खिलाफ राज्य शासन की ओर से हाईकोर्ट में कोई अपील दायर होने का रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं है।

उपयंत्रियों ने पदोन्नति सूची पर उठाए सवाल

ग्वालियर में महापौर को ज्ञापन सौंपकर जांच की मांग की

संवाददाता ● ग्वालियर

नगर निगम ग्वालियर में उपयंत्री (सिविल) के पदोन्नति आदेश को लेकर विवाद गहरा गया है। निगम के उपयंत्रियों ने महापौर को ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति प्रक्रिया पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है। अधिकारियों ने मांग की है कि पदोन्नति सूची का शासन के नियमों एवं वरिष्ठता सूची के आधार पर पुनः परीक्षण कराया जाए।

ज्ञापन में वर्ष 2009 की नियमित भर्ती के उपयंत्री (सिविल) पदों की पदोन्नति प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। उपयंत्रियों का आरोप है कि चयन एवं वरिष्ठता सूची में अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग की पदोन्नति में वरिष्ठता सूची का पालन नहीं किया गया, जबकि पात्र कर्मचारियों की वरिष्ठता को नजरअंदाज कर अन्य अधिकारियों को लाभ दिया गया। ज्ञापन के अनुसार, उपयंत्री वीरेंद्र शाक्य ने बताया कि वे अनुसूचित जाति वर्ग की वरिष्ठता सूची में प्रथम स्थान पर हैं। उनकी आपत्ति का निराकरण किए बिना ही पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। शाक्य ने 8 जुलाई 2026 को आयुक्त नगर निगम को लिखित आपत्ति प्रस्तुत की थी, लेकिन 13 जुलाई को बिना सुनवाई और आपत्ति के निराकरण के पदोन्नति सूची जारी कर दी गई। ज्ञापनदाताओं का यह भी आरोप है कि पदोन्नति प्रक्रिया में गठित एक्स-वाई समिति ने उनकी आपत्तियों पर समुचित विचार नहीं किया। समिति ने जल्दबाजी में सूची को स्वीकृति दे दी। उपयंत्रियों का कहना है कि शासन के नियमों और आरक्षण व्यवस्था के अनुरूप वरिष्ठता सूची का पालन किया जाना चाहिए था। उपयंत्रियों ने महापौर से मांग की है कि संपूर्ण पदोन्नति प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने आग्रह किया कि वरिष्ठता सूची और लागू नियमों के अनुरूप पुनर्विचार करने के बाद ही अंतिम स्वीकृति प्रदान की जाए। यह भी कहा गया है कि जिन अधिकारियों की आपत्तियां लंबित हैं, उनका पहले निराकरण किया जाए और उसके बाद ही पदोन्नति आदेश प्रभावी किए जाएं। ज्ञापन सौंपने वालों में उपयंत्री बी.ए. त्यागी, वीरेंद्र शाक्य, यशवंत मैकले, अमित गुप्ता एवं मनीष यादव शामिल रहे। अब इस मामले में नगर निगम प्रशासन और महापौर के निर्णय पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

जगन्नाथ रथ यात्रा में कलेक्टर बने मुख्य सेवक:रास्ते में झाड़ू लगाते हुए चले आगे-आगे, श्रद्धालुओं में रथ खींचने मची होड़

झाबुआ। झाबुआ नगर में गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा धूमधाम से निकाली गई। ओडिसा की जगन्नाथपुरी की तर्ज पर आयोजित इस यात्रा में झाबुआ कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने विशेष रुप से उपस्थित होकर भगवान के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे मुख्य सेवक के रुप में रथ यात्रा मार्ग पर झाड़ू लगाते हुए आगे-आगे चले। इस दौरान श्रद्धालुओं में रथ खींचने होड़ लगी रही। रथ यात्रा का शुभारंभ नगर के प्राचीन जगदीश मंदिर से हुआ। भगवान श्री जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और देवी सुभद्रा रथ पर सवार हुए। इस दौरान नगर 'जय जगन्नाथ' के नारों से गूंज उठा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। रथ यात्रा के दौरान नगर में श्रद्धालुओं का उत्साह देखा गया। जगह-जगह रथ का स्वागत किया गया और पुष्प वर्षा की गई। कलेक्टर ने इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को रथ यात्रा की शुभकामनाएं दीं और इसे सामाजिक समरसता तथा आस्था का प्रतीक बताया। यह रथ यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रुप से संपन्न हुई।

सतना में रेलवे अंडरपास के पास महिला से लूट

पर्स छीनकर भागे बदमाश, आरोपी और साथी नाबालिग आरोपी पकड़ाया, मंगलसूत्र-मोबाइल बरामद

संवाददाता ● सतना

सतना पुलिस ने महिला से लूट की वारदात का खुलासा किया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने मुख्य आरोपी और उसके नाबालिग साथी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से सोने का मंगलसूत्र, दो एंड्रॉयड मोबाइल, घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और 500 रुपए नकद सहित कुल 1.45 लाख रुपए का सामान बरामद किया गया है।

टीआई रावेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि घटना 15 जुलाई की है। महदेवा रोड निवासी माधुरी सिंह (23) ने सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह अपनी बहन के साथ स्कूटी से धवारी महदेवा से बाजार जा रही थीं। प्रेमनगर मोड़ के आगे रेलवे अंडरपास की ढलान पर पीछे से बाइक पर आए दो युवकों ने उनका पर्स छीन लिया और फरार हो गए।

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

घटना के बाद पुलिस ने तुरंत एक टीम बनाई। टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और

अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। इनके आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें 10 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार मुख्य आरोपी की पहचान पुष्पेंद्र उर्फ शनि सेन (23) निवासी ग्राम गौहारी, थाना रामपुर बाघेलान के रूप में हुई है। वारदात में उसके साथ एक विधि-विरुद्ध बालक भी शामिल था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया।

संक्षेप

धूमधाम से निकली जगन्नाथ रथ यात्रा

बालाघाट। बालाघाट में 16 जुलाई को जगन्नाथपुरी की तर्ज पर भव्य रथयात्रा निकाली गई। शाम 5:30 बजे भगवान जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब इस्कॉन संस्था ने बालाघाट में इस रथयात्रा का आयोजन किया। इसमें संस्था के प्रतिनिधियों के साथ-साथ लगभग दो हजार से अधिक भक्तों ने बारी-बारी से रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ के जयकारों के साथ 'हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे कृष्णा, हरे-हरे' के भक्तिगीत गूंजते रहे। भक्तगण भक्ति में लीन होकर झूमते हुए आगे बढ़ रहे थे।

टीकमगढ़ में जगन्नाथ रथ यात्रा, भक्तों ने खींचा रथ

टीकमगढ़। टीकमगढ़ में गुरुवार शाम करीब 6 बजे भटनागर कॉलोनी स्थित श्री जगन्नाथ स्वामी मंदिर से रथ यात्रा निकाली गई। यात्रा से ठीक पहले रिमझिम बारिश हुई। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा लकड़ी के रथ पर विराजमान थे, जिसे भक्तों ने 70 फीट लंबी रस्सी से खींचा। यह यात्रा अस्पताल चौराहा, सिविल लाइन रोड, सेल सागर चौराहा, गांधी चौक, बैंक चौराहा, पपौरा चौराहा और ताल दरवाजा होते हुए मां राजराजेश्वरी मंदिर पहुंची। मंदिर में रात 8 बजे भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। मां राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान जगन्नाथ रात्रि विश्राम करेंगे। यहां श्री राधामाधव प्रभात फेरी सत्संग संकीर्तन मंडल द्वारा अखंड कीर्तन किया जाएगा।

फर्जी शादी का कार्ड देकर घर पहुंचे युवक

शिवपुरी। सिटी सेंटर कॉलोनी में एक व्यक्ति के घर फर्जी शादी का कार्ड लेकर पहुंचे 6 अज्ञात युवकों पर धोखाधड़ी के प्रयास का आरोप लगा है। फरियादी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को 6 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिटी सेंटर कॉलोनी निवासी रामकुमार वर्मा (40) ने पुलिस को बताया कि 5 जुलाई की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति उनके घर आया। उसने शादी का कार्ड दिया और उनके मोबाइल से एक नंबर पर कॉल करने को कहा। कॉल नहीं लगने पर वह वहां से चला गया। रामकुमार के अनुसार, 12 जुलाई की दोपहर दो युवक फिर उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनकी बहन के यहां शादी का कार्ड भेजा गया था और कार्ड ले जाने वाले व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया है। जब रामकुमार ने कहा कि अगर पुलिस को जानकारी चाहिए होगी।

डिंडौरी कॉलेज में आत्मनिर्भर भारत पर संगोष्ठी

अतिरिक्त संचालक बोले- रोजगार देने वाले बनें युवा

संवाददाता ● डिंडौरी

डिंडौरी के चंद्र विजय कॉलेज में भारतीय शिक्षा दिवस के अवसर पर 'आत्मनिर्भर भारत में युवाओं की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को कौशल विकास और नवाचार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

अतिरिक्त संचालक बोले- रोजगार देने वाले बनें युवा

मुख्य अतिथि और जबलपुर संभाग के उच्च शिक्षा अतिरिक्त संचालक डॉ. अल्केश चतुर्वेदी ने कहा कि आत्मनिर्भरता का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश के युवा नौकरी मांगने के बजाय रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने छात्रों से स्टार्टअप संस्कृति को अपनाने की अपील की।

नई शिक्षा नीति है मजबूत नींव

मुख्य वक्ता डॉ. नीलेश पाण्डेय ने नई शिक्षा नीति को आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव बताया। उन्होंने कहा कि यह नीति युवाओं को कौशल और उद्यमिता से जोड़ती है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय मूल्यों के साथ

राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

स्वावलंबी युवा तैयार करना लक्ष्य

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ए.एस. उददे ने कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो स्वावलंबी हों और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

सिंगरौली में 2 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों का भुगतान अटका

सिंगरौली। सिंगरौली जिले के दो लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को वन विभाग द्वारा राशि जारी किए जाने के दो महीने बाद भी 75 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं मिल पाया है। अपनी मेहनत की कमाई पाने के लिए मजदूर लगातार समितियों और बैंकों के चक्कर काट रहे हैं। लघु वन उपज संगठन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद इदरीश ने बताया कि विभाग ने यह राशि 75 समितियों के माध्यम से बैंकों में जमा करा दी थी। खरीफ फसल की बुआई का सीजन होने के कारण किसानों को पैसों की सख्त जरूरत है, लेकिन भुगतान न मिलने से उन्हें उधार लेना पड़ रहा है। भुगतान में देरी के मामले पर अपर कलेक्टर एस. त्रिपाठी ने कहा कि बैंकों से जानकारी मांगी जाएगी कि किस स्तर पर समस्या आ रही है।

कोटवार संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

आगर मालवा। आगर मालवा में मध्यप्रदेश कोटवार आजाद कर्मचारी संघ ने बुधवार को कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। संघ ने कोटवारों को शासकीय कर्मचारी का दर्जा देने और नियमित करने सहित अपनी नौ सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग की है। ज्ञापन में प्रमुख मांगों में कोटवारों को उनकी सेवाभूमि का मालिकाना हक प्रदान करना, सेवानिवृत्ति पर एक लाख रुपये की राशि देना और सीयूजी सिम उपलब्ध कराना शामिल है। इसके अतिरिक्त, संघ ने रिक्त पदों पर पूर्व में कार्यरत कोटवारों को पुनः नियुक्त करने की भी मांग की। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कई कोटवारों की सेवाभूमि पर दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने प्रशासन से ऐसी भूमि को कब्जा मुक्त कराकर कोटवारों को उनका अधिकार दिलाने का आग्रह किया।

ड्रेनेज विवाद में एसडीएम और PWD अधिकारी को किया तलब

राजगढ़ की 49 करोड़ की सड़क पर हाईकोर्ट सख्त

संवाददाता ● राजगढ़

राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में 49 करोड़ रुपये की लागत से बनी सिटी पोर्शन रोड का मामला अब मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की निगरानी में पहुंच गया है। सड़क किनारे बनी ड्रेनेज नाली में कथित अनियमितताओं और बारिश के पानी की निकासी बाधित होने के मामले में इंदौर खंडपीठ ने खिलचीपुर-जीरापुर के एसडीएम (राजस्व) और राजगढ़ पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री को तलब किया है।

हाईकोर्ट ने दोनों अधिकारियों को 28 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश होकर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, शासन के अधिवक्ता को भी आवश्यक निर्देश लेकर उपस्थित होने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ ने पार्षद मनीषा पति राकेश जायसवाल की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। उस दिन दोनों अधिकारियों को न्यायालय के सामने अपनी कार्रवाई का ब्योरा देना होगा।

हाईकोर्ट ने अधिकारियों से मांगा जवाब

कोर्ट ने अधिकारियों से पूछा है कि सड़क किनारे बनी नाली में जल निकासी की समस्या दूर करने और याचिकाकर्ता की शिकायत पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है। याचिका में कहा गया है कि गायत्री कॉलोनी, सिविल अस्पताल, इमली स्टैंड, बस स्टैंड, झालावाड़ नाका सहित आसपास के कई इलाकों का बारिश का पानी और घरेलू अपशिष्ट जल इसी नाली से निकलता है। नाली निर्माण में कथित अनियमितताओं के कारण बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति बन रही है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। याचिकाकर्ता ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो भारी बारिश के दौरान कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन सकते हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनुराज सिंह ने पक्ष रखा।

पंचायत सचिवों के ट्रांसफर में गड़बड़ी पर बवाल

संवाददाता ● निवाड़ी

मध्यप्रदेश विधानसभा में पंचायत सचिवों के ट्रांसफर में हुई कथित अनियमितताओं का मामला गरमा गया है। निवाड़ी जिले की पृथ्वीपुर सीट से विधायक नितेंद्र सिंह राठौर द्वारा पूछे गए एक सवाल के बाद पंचायत विभाग में हड़कंप मच गया है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत सीईओ ने पृथ्वीपुर जनपद सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

विधानसभा में दी गई विरोधाभासी जानकारी

विधायक नितेंद्र सिंह राठौर ने विधानसभा में सचिवों के तबादलों को लेकर सवाल उठाया है। आरोप है कि सचिवों के ट्रांसफर के समय जो रिकॉर्ड दिखाया गया और विधानसभा के जवाब में जो जानकारी भेजी गई, उन दोनों में बड़ा अंतर है। यह मामला ट्रांसफर नीति-2026 के

नियमों के उल्लंघन और भ्रामक जानकारी देने से जुड़ा है।

10 साल की पदस्थापना छिपाने का आरोप

तबादला नीति के तहत एक ही ग्राम पंचायत में 10 साल से ज्यादा समय से जमे सचिवों की सूची मांगी गई थी। जनपद पंचायत पृथ्वीपुर ने विधानसभा के अतारांकित प्रश्न के उत्तर में माना कि ग्राम पंचायत ककावनी में सचिव महेंद्र कुमार तिवारी 10 साल से अधिक समय से पदस्थ हैं। इसके उलट, ट्रांसफर के समय उनकी पदस्थापना सिर्फ 2019 से दिखाई गई थी, जिससे उनका तबादला टल गया।

लापरवाही पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी

इस बड़ी लापरवाही पर जिला पंचायत निवाड़ी के सीईओ रोहन सक्सेना ने 3 जुलाई को पृथ्वीपुर जनपद सीईओ दुर्गेश भूमरकर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जिला पंचायत सीईओ ने इसे शासकीय आदेशों की अवहेलना माना है और कहा है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

संवाददाता ● रीवा

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर गुरुवार को रीवा शहर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ निकाली गई। भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया।

यात्रा लक्ष्मणबाग से शुरू होकर किला परिसर पहुंची। जहां परंपरा के मुताबिक उसका भव्य स्वागत किया गया। जिसके बाद भगवान शहर की यात्रा में निकले। यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे मार्ग में 'जय जगन्नाथ' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के रथ को खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया, वहीं जगह-जगह पुष्प वर्षा कर रथ यात्रा का स्वागत किया गया। रथ यात्रा निर्धारित मार्ग से होते हुए शहर के प्रमुख मार्गों से निकली। यात्रा में भजन-कीर्तन मंडलियों ने भगवान जगन्नाथ की महिमा का गुणगान किया, जबकि ढोल-नगाड़ों और धार्मिक धुनों पर श्रद्धालु नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की बड़ी संख्या यात्रा में शामिल रही। मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से शीतल पेयजल, शरबत और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। कई स्थानों पर भगवान की आरती उतारकर श्रद्धालुओं ने मंगल कामना की।

फोन पर कहा- मुझे तुमसे मारापीटी, लड़ाई झगड़ा करना है, मेरी FIR कराओ

पार्षद पति ने सब इंजीनियर को धमकाया

संवाददाता ● छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा शहर में पानी की किल्लत को लेकर नगर निगम में एक बार फिर जनप्रतिनिधि और अधिकारियों के बीच विवाद खुलकर सामने आया है। वार्ड क्रमांक-20 की पार्षद के पति एवं पूर्व पार्षद शिव मालवीय का एक ऑडियो और वीडियो सामने आया है। इसमें वे जलप्रदाय विभाग के सब-इंजीनियर भानु सूर्यवंशी को फोन पर मारपीट की धमकी देते सुनाई दे रहे हैं। इसके बाद वे हाथ में डंडा लेकर नगर निगम कार्यालय भी पहुंच गए।

फोन पर बोले- FIR करवा देना, आज मारपीट करूंगा

सामने आए ऑडियो में शिव मालवीय सब-इंजीनियर से कहते हैं, आज तुमसे, रोहित से और चौहान साहब से मारपीट करूंगा, ताकि मेरी FIR करवा दो। अब दिखाऊंगा मेरी औकात और हैसियत क्या है।' बातचीत के दौरान उन्होंने अधिकारियों पर जातिवाद का आरोप भी लगाया और कहा कि वे निगम कार्यालय पहुंच रहे हैं।

अब तक नहीं हुई पुलिस शिकायत

घटना के वीडियो और ऑडियों सामने आने के बावजूद अब तक किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। हालांकि, नगर निगम कार्यालय में इस तरह के घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था और जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के बीच बढ़ते टकराव को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

डंडा लेकर पहुंचे निगम, इंजीनियरों की गाड़ी रोकने की कोशिश

ऑडियो के कुछ देर बाद शिव मालवीय हाथ में डंडा लेकर नगर निगम कार्यालय पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उन्होंने पहले इंजीनियर विवेक चौहान की गाड़ी रोकने की कोशिश की, लेकिन वे वहां से निकल गए। इसके बाद कार्यालय में सब-इंजीनियर भानु सूर्यवंशी और रोहित सूर्यवंशी से उनकी तीखी बहस हुई। विवाद बढ़ता देख दोनों अधिकारी वहां से चले गए, जिससे किसी तरह की अप्रिय घटना टल गई।

पार्षद पति बोले- जनता को पानी नहीं मिल रहा था

शिव मालवीय का कहना है कि उनके वार्ड में लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं होने से वे आक्रोशित थे और इसी वजह से अधिकारियों से जवाब मांगने निगम कार्यालय पहुंचे थे।

सौंदर्यकरण के नाम पर नगर पालिका वर्षों पुराने हरे-भरे वृक्षों की कर रही कटाई

टंट्या मामा भील तिराहे के सौंदर्यीकरण के नाम पर पेड़ों की बली

सड़क किनारे के कई पेड़ कटे, कई और निशाने पर होने की आशंका; नागरिकों ने पूछा–क्या पेड़ों को बचाते हुए नहीं हो सकता विकास?

खरगोन ● रविन्द्र परमार

शहर को सुंदर बनाने की कवायद यदि शहर की हरियाली को ही निगलने लगे तो यह सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि पर्यावरण के साथ समझौता कहलाएगा। बिस्टान रोड स्थित टंट्या भील तिराहे पर प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्य के बीच वर्षों पुराने हरे-भरे वृक्षों पर आरी चलने लगी है। गुरुवार को सड़क किनारे लगे कई पेड़ सौंदर्यीकरण के नाम पर काट दिए जाने के बाद स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ तो कई और पेड़ भी कट सकते हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इन पेड़ो को बिना काटे सौंदर्यीकरण नही हो सकता ? लोगो का कहना है कि हमे ऐसा सौंदर्यीकरण स्वीकार नही जो हरे भरे पेडों की बलि चढ़ा दे। शहर में लगातार बढ़ते तापमान, घटती हरियाली और प्रदूषण के बीच वर्षों पुराने वृक्ष किसी संपत्ति से कम नहीं हैं। इन्हें तैयार होने में दशकों लगते हैं, जबकि इन्हें काटने में कुछ ही मिनट लगते हैं। ऐसे में विकास कार्यों की योजना इस प्रकार बनाई जानी चाहिए कि पेड़ों का संरक्षण भी हो और आवश्यक निर्माण भी।

नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि टांट्या भील तिराहे के सौंदर्यीकरण की संपूर्ण कार्ययोजना, वृक्ष कटाई की स्वीकृति, संबंधित विभागों की अनुमति तथा प्रतिपूरक वृक्षारोपण की योजना सार्वजनिक की जाए। साथ ही जब तक समस्त वैधानिक प्रक्रिया स्पष्ट न हो, तब तक किसी भी वृक्ष की कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए।

यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि परियोजना बनाते समय पेड़ों को बचाने का विकल्प मौजूद था, तो उसे अपनाया क्यों नहीं गया? क्या डिजाइन तैयार करने वाले अधिकारियों और एजेंसी ने पर्यावरणीय पहलुओं पर पर्याप्त विचार किया? यदि नहीं, तो इसकी जवाबदेही किसकी तय होगी?

शहरवासियों का कहना है कि उन्हें सौंदर्यीकरण से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन ऐसा विकास स्वीकार्य नहीं हो सकता जिसकी कीमत शहर की वर्षों पुरानी हरियाली चुकाए। अब निगाहें प्रशासन पर हैं कि वह पारदर्शिता दिखाते हुए जनता के सवालों का जवाब देता है या फिर पेड़ों की कटाई के बाद केवल औपचारिक वृक्षारोपण तक मामला सीमित रह जाएगा। भारत के संविधान के अनुच्छेद 48(क)एवं अनुच्छेद 51 (क) (ग) के अनुसार पर्यावरण एवं वृक्षों का संरक्षण राज्य एवं प्रत्येक नागरिक का दायित्व है ।

ऐसे में लोगो ने सवाल किया कि क्या- पेड़ काटने की अनुमति ली गई है और यदि हाँ तो पहले जानकारी क्यों नही दी गयी। कितने पेड़ काटे जाएंगे इसकी भी कोई सार्वजनिक जानकारी नही है। ऐसी योजना क्यों नही बनाई गई जिसमें पेड़ो को बचाया जा सके।

भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के जिला पदाधिकारियों का सम्मान

खरगोन ● संवाददाता

भारतीय पत्रकार संघ (एआइजे) के नवनियुक्त जिला पदाधिकारी व तहसील अध्यक्षों का वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्मान किया गया। एआईजे के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीजुद्दीन शेख, संरक्षक आशुतोष पुरोहित, प्रदेश संयोजक आमिर शेख, प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम कुशवाह, जिलाध्यक्ष प्रकाश भावसार, जिला मार्गदर्शक मामराज सैनी, जिला संयोजक कमलेश पटेल, यूथ विंग जिलाध्यक्ष आकाश गुप्ता आदि ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पहार व मिठाई से स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन, मप्र प्रभारी कल्याण जैन, प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू का आभार माना।

इनका हुआ सम्मान

भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के नवनियुक्त संभाग उपाध्यक्ष कन्हैया कुमरावत, जिला महासचिव देवीसिंह धानसे, उपाध्यक्ष जितेंद्र आर्य, गब्बर चौहान, जिला सचिव जमीर मंसूरी, मुकेश सेन, राजू जाधव, मीडिया प्रभारी रविन्द्र परमार, प्रवक्ता विजय नांदुरकर, सह प्रवक्ता गुरमीतसिंह भाटिया, तहसील अध्यक्ष सचिन जोशी खरगोन नगर, साईंसिंह सिसोदिया झिरन्या का स्वागत कर बधाई दी गई। इस अवसर पर जिला संयोजक पटेल का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मनाया गया।

भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के तहसील अध्यक्ष घोषित

खरगोन। भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के प्रदेश संयोजक आमिर शेख के प्रस्ताव एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम कुशवाह की अनुशंसा तथा प्रदेश अध्यक्ष राकेश साहू के निर्देश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन व मप्र प्रभारी कल्याण जैन की सहमति से खरगोन जिलाध्यक्ष प्रकाश भावसार ने भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के तहसील अध्यक्षों की घोषणा की है। भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) के जिला मीडिया प्रभारी रविन्द्र परमार ने बताया भारतीय पत्रकार संघ (एआईजे) जिला खरगोन अंतर्गत तहसील अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इनमें सचिन जोशी खरगोन नगर तहसील, योगेश कुशवाह खरगोन ग्रामीण, अजय दसौंधी गोगावां, सुरेश राठौड़ भगवानपुरा, जितेंद्र गुप्ता बिस्टान, लोकेश यादव सेगांव, नवीन बार्चे कसरावद, श्याम सोनी महेश्वर, सुमित कौशल करही, लोकेंद्र परिहार बड़वाह, सचिन जाधव बलवाड़ा, कालूराम जाट काटकूट, विवेक विद्यार्थी सनावद, दिलीप बिरला बेड़िया, सानिध्य पाराशर भीकनगांव एवं सांईसिंह सिसौदिया झिरन्या तहसील के तहसील अध्यक्ष मनोनीत किए गए है। यह नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से दो वर्ष के लिए प्रभावशील होगी। तहसील अध्यक्षों की नियुक्ति पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीजुद्दीन शेख, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष पुरोहित, मामराज सैनी, तरुण सोनी, अजय तिवारी, जिला संयोजक कमलेश पटेल, यूथ विंग जिला संयोजक आकाश गुप्ता सहित समस्त जिला पदाधिकारी एवं पत्रकार साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एटीएम मशीन निगल रही रुपए, निगल रही सिक्कों को लेकिन देती नहीं पानी

आए दिन नगर पालिका पर भ्रष्टाचार के आरोप प्रत्यारोप के बीच एटीएम वाटर मशीन भी करने लगी भ्रष्टाचार

खरगोन ● संवाददाता

विषय बड़ा ही पेचीदा और हास्यस्पद भी है,खरगोन नगरपालिका के अंतर्गत लगी आर.ओ. पानी की एटीएम मशीनें आम जनता से ठगी कर रही है,जो चालू तो है लेकिन सरेआम धोखाधड़ी कर रही है।

निगल रही सिक्को को लेकिन देती नहीं पानी–प्रायः देखने में आया कि नगर पालिका के पास लगी इस मशीन में सिक्के तो यह ले रही हैं,लेकिन पानी नहीं दे रही है जिसके चलते आम जनता से सरेआम ठगी की जा रही है,या कहे तो खुली लूट हो रही है। मशीन चालू है का बैनर किसी और के चालू होने का ईशारा तो नहीं–प्रायः यह देखा जाता है कि किसी भी मशीन में कोई खराबी होने पर उसके ऊपर खराब होने की सूचना चस्पा की जाती है,लेकिन यहां तो उल्टा ही है मशीन पैसा खींच रही लेकिन पानी नहीं दे रही, बावजूद इस पानी की एटीएम मशीन पर बड़े अक्षरों में नगरपालिका ने फ्लेक्स लगाकर रखा है कि मशीन चालू है,मतलब आम जनता से धोखाधड़ी कर सरासर लूट की जा रही है।

कई लूट चुके थे,तो कई लुटवाने को आ रहे थे,पर पता नहीं चल रहा था आखिर रुपए कहां जा रहे थे–सूचना मिली कि कई यक्तियों के साथ लूट हो गई है,तो हम भी चल दिए यही जानने के लिए कि वास्तविकता क्या है,जब हमने सारी प्रक्रिया को हमारे मोबाइल में कैद किया तो संतुष्टि हुई कि वाकई में आम जनता से यह लूट का अनोखा तरीका अपनाया गया। वहां मौजूद आर्टिस्ट कार्तिक ने सिक्का डाला जिसे मशीन ने स्वीकार तो किया, लेकिन पानी नहीं दिया तब उन्होंने बताया कि मेरे तीस रुपए तो यह मशीन निगल चुकी है,अगर तकनीकी समस्या तो मशीन चालू है का फ्लेक्स लगाकर ठगी क्यों?–इस लूट में किसका हाथ किसका हिस्सा या तकनीकी समस्या हुई है,यह जानने के लिए नगर पालिका में सोलंकी जी को काल किया उन्होंने कॉल अटेंड तो नहीं किया लेकिन मेसेज के माध्यम से रिप्लाई जरूर किया कि में मीटिंग में हूं,बाद में कॉल करता हूं।

उपभोक्ता फोरम या कलेक्टर खरगोन न्याय कहां?

इस विषय को लेकर नगरपालिका उपाध्यक्ष भोलू कर्मा को भी कॉल किया गया, लेकिन उन्होंने अटेंड नहीं किया,अब आगे क्या जो लूट गए वो लूट गए लेकिन ये लूट आगे भी जारी थी,जो कहीं ना कहीं शंका के घेरे में इस विषय को खड़ा कर रही थी। पानी पीकर राहत की साँस ली जाती है यहां पानी ने आम आदमी का पारा ही बड़ा दिया।

इस विषय को लेकर पुख्ता सबूतों के साथ ठगी हुई जनता और स्वयं हम भी उपभोक्ता फोरम में शिकायत लेकर जायेंगे साथ ही कलेक्टर खरगोन तक भी यह विषय जाएगा, क्या इस प्रकार की ठगी पर कोई बड़ी कार्यवाही होगी या नहीं इन सभी जानकारियों के साथ मिलेंगे अगले अंक में।

कब तक लूटेरी मशीन की लूट यूं ही जारी रहेगी, प्यासे भी रहे और लूट गए ये जनता अब किससे कहेगी।

41 हजार का पारिश्रमिक बढ़ाने आदेश, 60 हजार को इंतजार

वित्त के आदेश के एक माह बाद विभागों की धीमी चाल, 4.46 प्रतिशत बढ़ा है वेतन

भोपाल ● संवाददाता

मध्य प्रदेश सरकार के एक लाख से अधिक संविदा अधिकारी-कर्मचारियों के पारिश्रमिक में 4.46 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि लागू करने के वित्त विभाग के आदेश के एक महीने बाद भी कई विभागों ने इस पर अमल नहीं किया है। अब तक चार विभागों के करीब 41 हजार कर्मचारियों को बढ़ा हुआ वेतन मिलने का रास्ता साफ हुआ है, जबकि लगभग 60 हजार अधिकारी-कर्मचारी अब भी अपने विभागों से आदेश जारी होने का इंतजार कर रहे हैं।

वित्त विभाग ने 8 जून को एक अप्रैल 2026 से 4.46 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि लागू करने के निर्देश जारी किए थे। इसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र ने जून में ही अपने 2,800 कर्मचारियों के लिए आदेश जारी कर दिए थे। वहीं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) और मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद ने भी इस महीने आदेश जारी किए हैं।

एनएचएम के 32 हजार कर्मचारियों को मिलेगा लाभ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक सलोनी सिडाना द्वारा जारी आदेश के अनुसार राज्य, संभाग और जिला स्तर पर कार्यरत करीब 32 हजार संविदा अधिकारी-कर्मचारियों को एक अप्रैल 2026 से 4.46 प्रतिशत बढ़ा हुआ पारिश्रमिक मिलेगा। इसका भुगतान जुलाई के वेतन के साथ किया जाएगा।

डॉक्टर की गैर मौजूदगी में फोन पर इलाज लिखे जाने और महिला से अभद्रता-धमकी देने परआरोपी पर दर्ज हुई एफआईआर

खरगोन ● संवाददाता

निजी अस्पतालों की मनमानी और लापरवाही का एक और गंभीर मामला सामने आया है। पटेल नगर स्थित खुशी अस्पताल में रविवार रात इलाज के लिए पहुंचे एक बच्चे को समय पर डॉक्टर नहीं मिला। आरोप है कि ड्यूटी डॉक्टर ने फोन पर ही इलाज लिख दिया। इसके बाद अस्पताल की मेडिकल दुकान पर दवाई लेने गई महिला और उसके पति से दुकानदार ने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित परिवार की शिकायत पर जैतापुर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। प्राप्त जानकारी

अनुसार बजरंग नगर जैतापुर निवासी उषा बाई ने बताया कि वह अपने बेटे अजीत की तबियत ख़राब होने पर 12 जुलाई रविवार रात करीब 11:30 बजे खुशी अस्पताल पटेल नगर लेकर पहुंची थी। पीड़िता का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने पर वहां बच्चों का कोई विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद नहीं था। इसके बावजूद ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने किसी अन्य डॉक्टर से फोन पर बात करके पर्ची पर दवाइयां लिख दीं और उन्हें मेडिकल दुकान से दवा लाने को कह दिया।

उषा जब अस्पताल परिसर में ही संचालित मेडिकल दुकान पर दवाई लेने पहुंची तो वहां बैठे एक युवक ने उन्हें करीब 20 मिनट तक बैठाए रखा। बार-बार पूछने पर भी उसने दवाई नहीं दी और कहा यहां दवाई नहीं मिलेगी, अन्य अस्पताल से ले लो।

इसी बात को लेकर जब उषा और उनके पति ने देर तक बिठाने और दवाई न देने का कारण पूछा तो दुकान पर बैठा युवक आग बबूला हो गया। आरोपी ने दोनों पति-पत्नी को मां-बहन की अश्लील गालियां दीं। जब पति ने कहा कि दवाई नहीं है तो हम कहीं और दिखा लेंगे, तो आरोपी उन्हें मारने के लिए दौड़ा। अस्पताल स्टाफ ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। जाते समय आरोपी ने धमकी दी कि आज के बाद अगर मेरी दुकान पर आए तो तुम दोनों को जान से मार दूंगा। बाद में अन्य स्टाफ से पूछने पर आरोपी की पहचान राजू यादव निवासी निमगुल के रूप में हुई। इस पूरे घटनाक्रम से आहत होकर उषा ने थाना जैतापुर पहुंच कर एफ आई आर दर्ज करवाई हैं ।

मिली जानकारी अनुसार पीड़िता के आवेदन और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी राजू यादव के खिलाफ आईपीसी की संबंधित धाराओं में एफ आई आर दर्ज कर ली गई है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। इसमें अस्पताल में डॉक्टर की अनुपस्थिति, फोन पर इलाज लिखे जाने और मेडिकल दुकान के लाइसेंस की भी जांच की जाएगी। थाना प्रभारी ने कहा मामले को गंभीरता से लिया गया है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में खुशी अस्पताल के प्रति नाराजगी है। लोगों का कहना है कि रात के समय इमरजेंसी में डॉक्टर का न होना और स्टाफ का इस तरह का व्यवहार मरीजों की जान से खिलवाड़ है। कई लोगों ने स्वास्थ्य विभाग से अस्पताल की जांच कराने की मांग की है।

पहली बार निकली भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा

जयकारों और संकीर्तन के साथ 3 किमी चला रथ, हजारों भक्तों ने किया दर्शन

खरगोन ● संवाददाता

आस्था, भक्ति और उत्सव का संगम गुरूवार को खरगोन में देखने को मिला। कीर्तन यात्रा परिवार एवं सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में नगर में पहली बार 'प्रथम भव्य श्री जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव-2026' का आयोजन किया गया। भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा का रथ शाम को जयकारों के साथ नगर भ्रमण पर निकला तो पूरा शहर भक्तिमय हो गया।

वैदिक पूजन के बाद 5 बजे रवाना हुआ रथ

यात्रा से पहले श्री जगदीश मंदिर, ब्राह्मणपुरी में वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच तीनों देवों का रथारोहण किया गया। विधायक बालकृष्ण पाटीदार और नगर पालिका अध्यक्ष छाया जोशी ने महाआरती कर रथ को रवाना किया। इस अवसर पर विधायक पाटीदार ने कहा कि 'पुरी की तर्ज पर खरगोन में भी अब हर साल जगन्नाथ रथयात्रा निकलेगी। यह आयोजन हमारी संस्कृति और एकता का प्रतीक है।' नपा अध्यक्ष छाया जोशी ने भी सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी।

मार्गभर हुआ भव्य स्वागत

हरिनाम संकीर्तन मंडली के साथ निकला रथ लगभग 3 किमी का नगर भ्रमण कर वापस मंदिर पहुंचा। रास्तेभर 'जय जगन्नाथ, जय बलभद्र, जय सुभद्रा' के जयकारे गूंजते रहे। गोल बिल्डिंग के सामने दशोरा नागर समाज के बाबा अमरनाथ ग्रुप ने रथ यात्रा का स्वागत किया। धर्मप्रेमी नागरिकों ने घरों की छतों से पुष्प वर्षा की। रथ खींचने के लिए युवाओं और महिलाओं में होड़ लगी रही।

महाआरती कर विधायक और पालिका अध्यक्ष ने किया रथ का पूजन, जगह-जगह पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

मान्यता है कि रथ खींचने से सभी पापों का नाश होता है।

संगठनों ने निभाई अहम भूमिका

रथयात्रा को सफल बनाने में सकल हिन्दू समाज, राम जन्मोत्सव समिति, विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, भाजपा पूर्वी मंडल और शिव सेना के सैकड़ों कार्यकर्ता लगे थे। गौ रक्षक संगठन ने यात्रा के दौरान 'गो सम्मान आह्वान' हस्ताक्षर अभियान चलाया। पदाधिकारियों ने लोगों से गौमाता के संरक्षण का संकल्प दिलाया।

महाप्रसादी के साथ हुआ समापन

नगर भ्रमण के बाद रथ पुनः श्री जगदीश मंदिर पहुंचा। यहां महाआरती और भजन-कीर्तन के बाद हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसादी वितरित की गई। आयोजन समिति के संयोजक ने बताया कि 'अगले साल इस यात्रा को और बड़े स्तर पर निकाला जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर सकें।' यात्रा के दौरान यातायात और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पूरा दिन शहर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

संपादकीय

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

प्रभु श्री राम मंदिर,अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चौतरफ़ा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दाख़िल करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने पूरे हिंदू समाज और राम भक्तों की श्रद्धा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस महापाप में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सज़ा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है।

परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफ़सोसनाक मामले पर भी राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ़ भटकया जा सके। उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक छोटी सी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे ठेका ले रखा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की ग़लती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना ग़लत है।

उधर स्वयं को हिंदू रक्षा दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला ग़ाज़ियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि यह लंगर मुल्लाओं के लिये नहीं। इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित और अजीबोग़रीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है? दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है? इस ने तर्क दिया कि राम मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही भक्त हैं। उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुँचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा? उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है? उसके अनुसार जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक़ नहीं है। चंदा लूट व चोरी को जायज़ ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफ़रती शख़्स ने कीं। इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सज़ा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नू यादव को तो फांसी की सज़ा होनी चाहिए। जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा,अविनाश शुक्ला,लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि बाक़ी सबको छह-छह महीने की सज़ा देकर छोड़ देना चाहिए। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की इस बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सज़ा देकर रफ़ा दफ़ा करना चाहते हैं।इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि हम(हिन्दू) आपस में निपट लेंगे ।

महंगाई की नई मार : आरबीआई के लक्ष्य से ऊपर पहुंची खुदरा महंगाई

देश में महंगाई ने एक बार फिर आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। पिछले 17 महीनों में यह पहला अवसर है जब महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के 4 प्रतिशत के निर्धारित लक्ष्य से ऊपर पहुंची है। इससे पहले मई में खुदरा महंगाई 3.95 प्रतिशत दर्ज की गई थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हुई वृद्धि का परिणाम मानी जा रही है।

लेखक- कांतिलाल मांडोत

इसके साथ ही परिवहन लागत बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरत का लगभग हर सामान महंगा हो गया है, जिसका सीधा असर आम परिवारों के मासिक बजट पर दिखाई देने लगा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जून महीने में खाद्य महंगाई बढ़कर 5.32 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 4.78 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई 5.45 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 5.09 प्रतिशत दर्ज की गई। यह स्पष्ट संकेत है कि गांव और शहर दोनों ही महंगाई की मार झेल रहे हैं। फल, सब्जियां, दालें, खाद्य तेल, दूध तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने रसोई का खर्च काफी बढ़ा दिया है। मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए घर का बजट संभालना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया है।

महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हुई वृद्धि भी रही है। ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। ट्रांसपोर्ट महंगा होने का असर केवल परिवहन क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका प्रभाव हर उस वस्तु पर पड़ता है जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जाता है। किराना, फल-सब्जियां, दवाइयां, कपड़े, निर्माण सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें भी परिवहन खर्च बढ़ने के कारण ऊपर चली जाती हैं। जून महीने में माल ढुलाई से जुड़ी सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.70 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो यह बताती है कि परिवहन लागत अब महंगाई का बड़ा कारण बन चुकी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता ने भी ईंधन की कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारत जैसे आयात पर निर्भर देश पर पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। ऐसे में वैश्विक परिस्थितियां बिगड़ने पर घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल महंगे हो जाते हैं। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का असर अब सीधे आम नागरिक की जेब पर महसूस किया जा रहा है।

महंगाई बढ़ने का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के लिए नया आधार वर्ष और नई उपभोक्ता टोकरी लागू होने के बाद यह महंगाई का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। नई उपभोक्ता टोकरी में लोगों की वर्तमान जीवनशैली और खर्च के पैटर्न को अधिक वास्तविक रूप से शामिल किया गया है। इससे महंगाई का आकलन पहले की तुलना में अधिक सटीक माना जा रहा है। हालांकि इससे यह भी स्पष्ट हुआ है कि लोगों के दैनिक खर्च में वास्तविक बढ़ोतरी पहले के अनुमान से अधिक है।

महंगाई का सबसे अधिक असर निश्चित आय वाले परिवारों पर पड़ता है। जिन लोगों की आय सीमित है या जिनकी आय में नियमित वृद्धि नहीं होती, उनके लिए बढ़ती कीमतों के बीच खर्चों का संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वेतनभोगी कर्मचारी, छोटे व्यापारी, किसान, मजदूर और पेंशनभोगी सभी इस स्थिति से प्रभावित हो रहे हैं। आवश्यक वस्तुओं पर अधिक खर्च होने के कारण लोग अन्य जरूरतों पर खर्च कम करने को मजबूर हो रहे हैं। इससे उपभोक्ता मांग पर भी असर पड़ सकता है, जो अर्थव्यवस्था की गति को प्रभावित करता है।

भारतीय रिजर्व बैंक का प्रमुख उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित रखते हुए आर्थिक विकास को संतुलित बनाए रखना है। आरबीआई ने खुदरा महंगाई के लिए 4 प्रतिशत का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2 से 6 प्रतिशत के दायरे को स्वीकार्य सीमा माना गया है। हालांकि जून में महंगाई लक्ष्य से ऊपर पहुंच गई है, लेकिन यह अभी भी आरबीआई की निर्धारित ऊपरी सीमा 6 प्रतिशत से नीचे है। इसके बावजूद लगातार बढ़ती महंगाई केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का विषय बन सकती है। यदि आने वाले महीनों में महंगाई का दबाव बना रहता है तो ब्याज दरों को लेकर आरबीआई को अधिक सतर्क रुख अपनाना पड़ सकता है।

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण नहीं पाया गया और कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहीं तो आने वाले महीनों में महंगाई और बढ़ सकती है। दूसरी ओर यदि मानसून सामान्य रहता है, कृषि उत्पादन अच्छा होता है और सरकार समय रहते आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाने के कदम उठाती है तो खाद्य महंगाई में कुछ राहत मिल सकती है। अच्छी फसल से सब्जियों, अनाज और दालों की कीमतों में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

सरकार के सामने फिलहाल दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे महंगाई पर नियंत्रण रखना है तो दूसरी ओर आर्थिक विकास की गति भी बनाए रखनी है। इसके लिए खाद्य आपूर्ति को मजबूत करना, जमाखोरी पर सख्ती, परिवहन व्यवस्था को सुचारु रखना और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी होगा। यदि आपूर्ति श्रृंखला मजबूत रहती है तो कीमतों पर नियंत्रण पाने में मदद मिल सकती है।

आर्थिक जानकारों का मानना है कि महंगाई केवल आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध आम नागरिक के जीवन स्तर से है। जब खाद्य पदार्थ, ईंधन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी होती हैं तो परिवारों की बचत कम होने लगती है। उपभोक्ता खर्च घटता है और इसका प्रभाव पूरे आर्थिक तंत्र पर दिखाई देता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण केवल सरकार या आरबीआई की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि उत्पादन, आपूर्ति और बाजार व्यवस्था के बेहतर समन्वय से ही संभव है।

जून महीने के महंगाई के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था फिलहाल नई चुनौती का सामना कर रही है। पिछले 17 महीनों में पहली बार आरबीआई का लक्ष्य टूटना यह बताता है कि कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है। यदि आने वाले महीनों में खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो आम आदमी की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। ऐसे समय में सरकार, रिजर्व बैंक और संबंधित एजेंसियों को समन्वित प्रयास करते हुए महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के उपाय करने होंगे, ताकि आम नागरिक को राहत मिल सके और अर्थव्यवस्था संतुलित विकास की दिशा में आगे बढ़ती रहे।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

प्रोफेसर की नहीं, परीक्षार्थी की तलाश

बिहार में सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति के लिए जारी नए ड्राफ्ट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि हमारे यहां शिक्षा नीति अक्सर विश्वविद्यालयों में नहीं, सचिवालयों की फाइलों में तैयार होती है। परिणाम यह हुआ कि जिस मसौदे को सरकार पारदर्शिता और गुणवत्ता का दस्तावेज बता रही है, उसे पीएचडी शोधार्थी अपने वर्षों के परिश्रम का अवमूल्यन मान रहे हैं। विरोध इतना तीखा है कि विश्वविद्यालयों से लेकर सोशल मीडिया तक एक ही सवाल गूंज रहा है—क्या बिहार शोध संस्कृति को समाप्त कर प्रतियोगी परीक्षा संस्कृति को विश्वविद्यालयों पर थोपना चाहता है?

लेखक - कुमार कृष्णन

यह विवाद केवल नियुक्ति नियमों का नहीं है। यह उस सोच का संघर्ष है जिसमें एक ओर वर्षों का शोध, प्रयोग, पुस्तकालयों की धूल और अकादमिक साधना है, तो दूसरी ओर कुछ घंटों की लिखित परीक्षा को योग्यता का अंतिम पैमाना बनाने का आग्रह।

सरकार का तर्क सीधा है। वह कहती है कि लिखित परीक्षा से चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी और भाई-भतीजावाद तथा साक्षात्कार आधारित मनमानी समाप्त होगी। यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है। भारत के अनेक विश्वविद्यालयों में शिक्षक नियुक्तियों पर वर्षों से पक्षपात, जातीय समीकरण, राजनीतिक प्रभाव और साक्षात्कार की अपारदर्शिता के आरोप लगते रहे हैं। इसलिए चयन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता से शायद ही कोई असहमत होगा।

यदि कोई विद्यार्थी सात वर्ष तक शोध करता है, यूजीसी-नेट और जेआरएफ जैसी कठिन परीक्षाएं उत्तीर्ण करता है, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में अपने शोध प्रकाशित करता है, सेमिनारों में भाग लेता है और विषय पर नई समझ विकसित करता है, तो क्या उसकी पूरी अकादमिक यात्रा का मूल्यांकन तीन घंटे की परीक्षा से किया जा सकता है?

विश्वविद्यालय और कर्मचारी चयन आयोग में मूलभूत अंतर होता है। विश्वविद्यालय केवल नौकरी देने वाली संस्था नहीं है; वह ज्ञान निर्माण का केंद्र है। वहां शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा नहीं करता, बल्कि नई पीढ़ी में प्रश्न पूछने की क्षमता, आलोचनात्मक दृष्टि और शोध की संस्कृति विकसित करता है। यदि शिक्षक चयन की कसौटी केवल प्रतियोगी परीक्षा बन जाएगी तो विश्वविद्यालय धीरे-धीरे कोचिंग संस्थानों की शाखा में बदलने का खतरा पैदा होगा।

विडंबना यह है कि भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लगातार शोध, नवाचार और बहुविषयक शिक्षा पर बल देती है। केंद्र सरकार शोध को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन जैसी संस्थाओं की बात करती है। दूसरी ओर यदि राज्यों में पीएचडी की उपयोगिता ही कम होती दिखाई दे तो यह राष्ट्रीय लक्ष्य के विपरीत संकेत होगा।

बिहार का दुर्भाग्य यह भी रहा है कि वर्षों तक विश्वविद्यालयों में नियमित नियुक्तियां नहीं हुईं। हजारों पद रिक्त पड़े रहे। अनेक शोधार्थी अपनी युवावस्था का सबसे उत्पादक समय नियुक्ति की प्रतीक्षा में बिताते रहे। किसी ने तीस वर्ष की उम्र में पीएचडी शुरू की तो चालीस की उम्र तक भी उसे नियमित नौकरी नहीं मिली। ऐसे में यदि वर्षों की प्रतीक्षा के बाद भर्ती नियम ही बदल जाएं तो असंतोष स्वाभाविक है। यह केवल रोजगार का संकट नहीं, बल्कि नीति की विश्वसनीयता का संकट भी है।

आज भी अधिकांश विद्यार्थी शोध इसलिए चुनते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि विश्वविद्यालय में अध्यापन का अवसर मिलेगा। यदि अंततः चयन का मुख्य आधार केवल लिखित परीक्षा रह जाए तो युवा सीधे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे। शोध प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय खाली होने लगेंगे। ज्ञान उत्पादन की जगह नोट्स और वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की संस्कृति विकसित होगी। यह किसी भी समाज के लिए शुभ संकेत नहीं है।

इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि केवल पीएचडी होने से कोई व्यक्ति श्रेष्ठ शिक्षक बन जाता है। भारत में शोध की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न उठते रहे हैं। फर्जी शोध पत्रिकाएं, नकल, कॉपी-पेस्ट शोध प्रबंध और औपचारिक शोध संस्कृति जैसी समस्याएं वास्तविक हैं। इसलिए गुणवत्ता सुनिश्चित करना आवश्यक है। लेकिन गुणवत्ता सुधारने का उपाय शोध को महत्वहीन बना देना नहीं हो सकता।

विश्व के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों पर दृष्टि डालें तो वहां सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति किसी एक परीक्षा से नहीं होती। उम्मीदवार के शोध, प्रकाशन, अध्यापन अनुभव, शोध प्रस्ताव, प्रस्तुतीकरण और विषय की गहराई का समग्र मूल्यांकन किया जाता है। कई विश्वविद्यालय डेमो लेक्चर कराते हैं ताकि यह देखा जा सके कि उम्मीदवार पढ़ा भी सकता है या नहीं। आखिर विश्वविद्यालय का शिक्षक केवल परीक्षार्थी नहीं, शिक्षक और शोधकर्ता दोनों होता है।

बिहार यदि वास्तव में उच्च शिक्षा में नई पहचान बनाना चाहता है तो उसे भी इसी संतुलित मॉडल की ओर बढ़ना होगा। लिखित परीक्षा हो, लेकिन उसके साथ शोध, शिक्षण अनुभव, पीएचडी, नेट, शोध प्रकाशन और अकादमिक उपलब्धियों को भी उचित महत्व मिले। केवल एक कसौटी से उत्कृष्ट शिक्षक नहीं चुने जा सकते।

सरकार के सामने यह भी चुनौती है कि वह पारदर्शिता और अकादमिक उत्कृष्टता के बीच संतुलन बनाए। यदि पूरी प्रक्रिया केवल साक्षात्कार आधारित होगी तो पक्षपात का आरोप लगेगा। यदि पूरी प्रक्रिया केवल लिखित परीक्षा आधारित होगी तो विश्वविद्यालय की प्रकृति बदल जाएगी। समाधान दोनों के बीच संतुलित व्यवस्था में है।

इस विवाद ने बिहार की उच्च शिक्षा की एक बड़ी विडंबना भी उजागर की है। एक ओर सरकार नए कॉलेज खोलने, विश्वविद्यालयों का विस्तार करने और हजारों नियुक्तियों की घोषणा करती है। दूसरी ओर शिक्षक चयन की प्रक्रिया ही विवादों में घिर जाती है। भवन बनाना आसान है, लेकिन विश्वविद्यालय का बौद्धिक वातावरण बनाना कठिन है। उसके लिए उत्कृष्ट शिक्षक चाहिए और उत्कृष्ट शिक्षक केवल परीक्षा से नहीं चुने जाते।

सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि इस पूरे मसौदे पर व्यापक शैक्षणिक विमर्श दिखाई नहीं देता। क्या विश्वविद्यालयों के कुलपति, विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ शिक्षक, शिक्षा विशेषज्ञ और शोधार्थियों से गंभीर संवाद हुआ? यदि नहीं, तो यह लोकतांत्रिक नीति निर्माण की कमजोरी है। शिक्षा पर निर्णय केवल प्रशासनिक सुविधा के आधार पर नहीं लिए जा सकते। सरकार को यह समझना होगा कि पीएचडी शोधार्थियों का विरोध केवल नौकरी की मांग नहीं है। वे अपने शोध, अपनी अकादमिक पहचान और विश्वविद्यालयों की गरिमा के पक्ष में खड़े हैं। यदि हजारों शोधार्थी एक स्वर में कह रहे हैं कि मसौदे पर पुनर्विचार होना चाहिए, तो सरकार के लिए यह विरोध नहीं बल्कि संवाद का अवसर होना चाहिए। बिहार लंबे समय तक नालंदा और विक्रमशिला जैसी विश्वविख्यात शिक्षण परंपराओं का प्रतीक रहा है। वहां शिक्षक की पहचान उसकी विद्वता से होती थी, न कि केवल परीक्षा में प्राप्त अंकों से। आधुनिक समय में भी यदि राज्य ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनना चाहता है तो उसे शोध और अध्यापन दोनों को समान सम्मान देना होगा।

शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल रिक्त पद भरना नहीं होता। उसका उद्देश्य ऐसे शिक्षक चुनना होता है जो आने वाली पीढ़ियों का बौद्धिक भविष्य तैयार करें। यदि चयन प्रणाली ही प्रतिभा को संदेह की दृष्टि से देखे और शोध को गौण बना दे, तो विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता धीरे-धीरे क्षीण होने लगेगी।

इसलिए बिहार सरकार को चाहिए कि वह इस मसौदे को प्रतिष्ठा का प्रश्न न बनाए। व्यापक विमर्श करे, सभी हितधारकों से सुझाव ले और ऐसा भर्ती मॉडल तैयार करे जिसमें पारदर्शिता भी हो, मेरिट भी हो और शोध का सम्मान भी। क्योंकि विश्वविद्यालयों की सबसे बड़ी पूंजी उनकी इमारतें नहीं, उनके शिक्षक होते हैं। और शिक्षक चुनने में हुई एक भूल का असर कई पीढ़ियों तक दिखाई देता है। आज बिहार के सामने प्रश्न केवल यह नहीं है कि सहायक प्रोफेसर कैसे चुने जाएं। असली प्रश्न यह है कि बिहार ज्ञान का राज्य बनना चाहता है या केवल परीक्षाओं का? यही प्रश्न इस पूरे विवाद का केंद्र है, और इसी का उत्तर राज्य की उच्च शिक्षा का भविष्य तय करेगा। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि क्या विश्वविद्यालयों में शिक्षक चुनने की प्रक्रिया और प्रशासनिक सेवाओं की भर्ती प्रक्रिया एक जैसी हो सकती है? दोनों की प्रकृति, उद्देश्य और अपेक्षाएँ बिल्कुल अलग हैं।

अनन्या ने रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का लिया आनंद

अपनी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय यात्राओं के बीच बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे मनोरंजन के पलों का भरपूर लुत्फ उठा रही हैं। हाल ही में अनन्या ने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के एक शानदार कॉन्सर्ट का आनंद लिया। इस यादगार शाम की उन्होंने कुछ झलकियां अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा कीं, जो तुरंत वायरल हो गईं। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में, अनन्या पांडे ने सबसे पहले प्रतिष्ठित विंबलडन मुकाबले की कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वह बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आ रही थीं। इसके तुरंत बाद, उन्होंने पिटबुल के लाइव कॉन्सर्ट से एक ऊर्जावान वीडियो साझा किया। इस वीडियो में अनन्या अन्य हजारों प्रशंसकों के साथ पिटबुल के वर्ष 2011 के बेहद लोकप्रिय गीत रेन ओवर मी पर झूमती और पूरे जोश के साथ गाती हुई दिखाई दे रही थीं। उन्होंने इस वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, पिटबुल एट द पार्क, जो उनके उत्साह को साफ दर्शाता है। रेन ओवर मी पिटबुल के छठे स्टूडियो एल्बम प्लैनेट पिट का एक प्रतिष्ठित गीत है, जिसने दुनिया भर में अपार लोकप्रियता हासिल की थी। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी दमदार आवाज दी है, जिससे इसकी संगीतमयता और भी निखर कर आई है। इस गाने को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था, और यह आज भी पार्टियों और कॉन्सर्ट्स में धूम मचाता है। पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी और जल्द ही वे रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के एक अग्रणी नाम बन गए। उनका पहला स्टूडियो एल्बम एम.आई.ए.एम.आई. था, जिसने उन्हें शुरुआती सफलता दिलाई। इसके बाद उनके एल्बम एल मारिएल और द बोटलिफ्ट भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शीर्ष स्थानों पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। पिटबुल के चौथे एल्बम पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन ने उन्हें मुख्यधारा में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। इस एल्बम के आई नो यू वांट मी (कैले ओचो) और होटल रूम सर्विस जैसे गीत वैश्विक चार्ट्स पर छा गए और उन्हें एक विश्वव्यापी स्टार बना दिया। पिटबुल के कॉन्सर्ट से पहले, अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में भी शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने अपनी फैशन-फॉरवर्ड उपस्थिति से सबका ध्यान खींचा था।

कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही थीं काजल

अपनी आगामी फिल्म द इंडिया स्टोरी के साथ अभिनेत्री काजल अग्रवाल पूरी तरह तैयार हैं। इसे लेकर काजल अग्रवाल ने अपनी उत्सुकता जाहिर की है। उन्होंने बताया कि वह लंबे समय से एक कोर्टरूम ड्रामा का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही थीं। फिल्म द इंडिया स्टोरी ने आखिरकार उनकी इस इच्छा को पूरा कर दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 24 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में काजल अग्रवाल ने वकील अर्चना का सशक्त किरदार निभाया है। अर्चना एक ऐसी जुझारू वकील हैं जो समाज के आम नागरिकों के अधिकारों के लिए लड़ती हैं। उनका संघर्ष उन शक्तिशाली कॉर्पोरेट कंपनियों के खिलाफ है जिन पर लोगों की जान खतरे में डालने और मुनाफा कमाने का आरोप है। यह फिल्म एक गहन कोर्टरूम ड्रामा और एक इन्वेस्टिगेटिव कहानी के माध्यम से कई गंभीर सामाजिक मुद्दों पर प्रकाश डालती है, जिनमें फूड सेफ्टी, कॉर्पोरेट जवाबदेही और पर्यावरण से संबंधित चुनौतियां प्रमुख हैं। फिल्म का उद्देश्य इन महत्वपूर्ण विषयों पर जनमानस में चर्चा शुरू करना है और समाज को जागरूक करना है।

फिल्म के प्रमोशन के दौरान बात करते हुए काजल अग्रवाल ने द इंडिया स्टोरी से अपने जुड़ाव और अपने किरदार के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, कोर्टरूम ड्रामा हमेशा से मेरी पहली पसंद रहा है। मैं लगातार एक अच्छी, दमदार और चुनौतीपूर्ण कोर्टरूम ड्रामा की तलाश में थी, और इस फिल्म के जरिए मेरी यह दिली इच्छा पूरी हुई। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि

एक एक्टर के तौर पर उनमें काफी बदलाव आया है। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में एक नई ग्रोथ और मैच्योरिटी महसूस की है। काजल ने कहा, मुझे लगता है कि एक एक्टर के तौर पर मैं बड़ी हुई हूं। कुछ पल ऐसे थे, जो बहुत असली लगे, जिनके लिए मुझे एक्टिंग करने या खुद को उस स्थिति में इमेजिन करने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं असल में उस पल को जी रही थी। उन्होंने अपनी भावनात्मक यात्रा को साझा करते हुए कहा कि किरदार के आंसू, भावनाएं और भावनात्मक संघर्ष भी पूरी तरह से वास्तविक महसूस हुए। काजल अग्रवाल ने अपने अनुभव को और गहरा करते हुए बताया, निराशा, सफलता, नुकसान और दुख, सबकुछ बहुत असली लगा। एक एक्टर के तौर पर, मुझे लगता है कि यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। जब आप यह भूल जाते हैं कि आप किसी चीज का हिस्सा हैं, तो आप बस होने और किसी खास सीन में बस साथ-साथ रहने के स्टेज पर पहुंच जाते हैं।

आप असल में होने या सच में मौजूद होने की कोशिश नहीं करते, बल्कि उस क्षण को जीते हैं। इस बयान से उनकी अभिनय क्षमता और किरदार में डूबने की गहराई साफ झलकती है। द इंडिया स्टोरी में काजल अग्रवाल के साथ अभिनेता श्रेयस तलपड़े भी लीड रोल में नजर आएंगे।

मलाइका अरोड़ा का बोल्ड अवतार देख फैंस हुए मदहोश

हाल ही में बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा ने ग्रीस वेकेशन से अपना एक शानदार वीडियो साझा किया है, जिसमें उनका बेहद बोल्ड और मनमोहक अवतार देख फैंस मदहोश हो गए हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां मलाइका को अपने हर पल को खुलकर एन्जॉय करते देख उनके प्रशंसक भी खुशी से गदगद हो उठे हैं। वीडियो में मलाइका एक मजेंटा प्रिंटेड बैकलेस मोनोकनी पहने पूल में चिल करती हुई दिखाई दे रही हैं। उन्होंने बड़ी सहजता से अपने टोंड फिगर को फ्लॉन्ट किया, जो उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। खुले बाल और सटल मेकअप में मलाइका किसी डीवा से कम नहीं लग रही थीं, और उनकी मनमोहक अदाओं से नजरें हटाना दर्शकों के लिए मुश्किल हो रहा था। उन्होंने पूल में खूब मस्ती की, जिससे उनकी जीवंत और ऊर्जावान शख्सियत खुलकर सामने आई। इस वीडियो में मलाइका ने अपने आसपास के बेहद खूबसूरत नजारे को भी दिखाया - नीले समंदर और आसमान के बीच उनका टशन और स्वैग किसी को भी अपनी ओर क्रेजी कर सकता है। मलाइका के इस वीडियो पर कमेंट

सेक्शन में फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। हजारों प्रशंसकों ने हार्ट और फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ की है। लोग उनकी बेमिसाल खूबसूरती, फिटनेस और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए नहीं थक रहे। उनकी इस उम्र में भी बरकरार यूथफुलनेस और बोल्डनेस कई लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी है।

मलाइका अपनी शर्तों पर अपनी जिंदगी जी रही हैं, जो उन्हें कई महिलाओं के लिए एक आदर्श बनाती है। अपने बोल्ड फैशन सेंस और बेबाक अंदाज के साथ-साथ मलाइका अपनी लव लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेता अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका ने दूसरी शादी नहीं रचाई है, हालांकि उनकी डेटिंग की खबरें लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन सबके बावजूद, मलाइका अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी को पूरी गरिमा और आत्मविश्वास के साथ संभालती हैं।

आदित्य रॉय कपूर फिर आने वाले हैं खास लव स्टोरी के साथ

अपनी रोमांटिक और दमदार छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। आदित्य रॉय इस बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। मिलन जावेरी अपनी एक्शन और इमोशनल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। यह नई फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का एक दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं। निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। आशिकी 2 के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है।

मिलाप ने आगे बताया कि इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा, जिसमें जटिल भावनाएं और गहरे संघर्ष शामिल होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था, जो आदित्य की

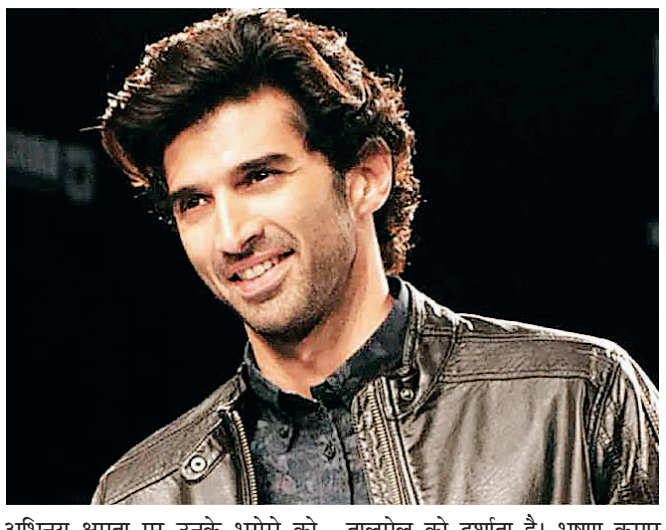

अभिनय क्षमता पर उनके भरोसे को दर्शाता है। वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। उन्होंने आशिकी 2 से लेकर मेट्रोज् इन दिनों तक हर फिल्म को खास बताया, जो उनके बीच के गहरे रचनात्मक तालमेल को दर्शाता है। भूषण कुमार ने आगे कहा, हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी। यह बयान फिल्म के बड़े कैनवास और मजबूत भावनात्मक आधार की ओर इशारा करता है। फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है, जिससे प्रोडक्शन टीम उत्साहित है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। हालांकि, मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी। फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने लिखा, इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए।

आज के समय में फिल्ममेकिंग काफी अलग है : हेमा मालिनी

पिछले कुछ समय से बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी फिल्मों से दूर हैं, और अब उन्होंने आखिरकार इसके पीछे की असली वजह का खुलासा किया है, जिसे जानकर उनके प्रशंसक शायद हैरान हो सकते हैं। एक बातचीत में, हेमा मालिनी ने सबसे पहले यह बताया कि कैसे पहले और आज की फिल्ममेकिंग में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। उन्होंने कहा, वो पूरा अलग दौर था। मैं कहूंगी कि वो फिल्म इंडस्ट्री का सुनहरा दौर था और मैं खुशनसीब हूं कि मैं उस सफर का हिस्सा रही। उस वक्त कई खूबसूरत फिल्में बनीं, खासकर महिला-केंद्रित फिल्में, जिनमें महिलाओं के सशक्त किरदारों को बखूबी दर्शाया गया था। उन्होंने आगे कहा, मैं खुशनसीब हूं कि मुझे सीता और गीता, सपनों का सौदागर, खुश्बू जैसी कई शानदार फिल्में करने का मौका मिला। मैं जब अपने करियर को पीछे मुड़कर देखती हूं, तो एहसास होता है कि मैंने लगभग 200 फिल्मों में काम किया है। उन दिनों कई प्रोड्यूसर्स मुझे अपने प्रोजेक्ट्स में बार-बार लेते थे। हर फिल्म में 5 या 6 गाने होते थे और फिल्म में एक हिट गाना होना प्रोड्यूसर्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता था, क्योंकि इससे फिल्म की सफलता सुनिश्चित होती थी।

हेमा ने अपनी मौजूदा स्थिति के बारे में बताते हुए कहा, आज के समय में फिल्ममेकिंग काफी अलग है। कई लोग मुझसे पूछते हैं कि मैं अब क्यों फिल्मों में काम नहीं कर रही हूं, लेकिन आजकल जिस तरह की फिल्में बनती हैं और जिस तरह का काम होता है, उसमें खुद को एडजस्ट करना मेरे लिए काफी मुश्किल है। यह साफ है कि आज की फिल्मों की बदलती शैली, कंटेंट और काम करने के तौर-तरीके उन्हें रास नहीं आ रहे हैं, जिससे उन्होंने खुद को इस क्षेत्र से दूर रखा हुआ है। हेमा मालिनी ने अपने करियर की शुरुआत साल 1968 में सपनों का सौदागर फिल्म से की थी, जिसमें उनके साथ दिग्गज अभिनेता राज कपूर थे। इसके बाद हेमा ने अपने करियर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और सफलता की ऊंचाइयों को छुआ। उन्होंने सीता और गीता, शोले, ड्रीम गर्ल, सत्ते पे सत्ता, क्रांती, त्रिशूल और बाघबान जैसी अनगिनत यादगार और ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। वह आखिरी बार साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म शिमला मिर्ची में नजर आई थीं।

इस फिल्म में हेमा के साथ राजकुमार राव और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद से हेमा फिल्मों से पूरी तरह से दूर हैं और अब तक कोई नई फिल्म साइन भी नहीं की है। फिलहाल, हेमा मालिनी अपना पूरा ध्यान राजनीति पर केंद्रित कर रही हैं और उसी काम में सक्रिय रूप से व्यस्त रहती हैं। इसके अलावा, वह अपने परिवार के साथ भी क्वालिटी टाइम बिताती हैं। मुंबई में रहने के दौरान वह अपनी दोनों बेटियों एशा और अहाना और अपने नाती-नातिन के साथ सुखद समय गुजारती हैं। बता दें कि अपने शानदार करियर में, हेमा मालिनी ने कई यादगार परफॉर्मेंस दी हैं जो आज भी फैंस के दिलों पर राज करती हैं। उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर रहीं, और अपनी बेजोड़ खूबसूरती और अभिनय क्षमता के कारण उन्हें दशकों तक ड्रीम गर्ल के नाम से जाना जाता रहा।

न्यूज ब्रीफ

स्टोक्स अब कलब क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे

लंदन। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने कहा है कि वह क्लब क्रिकेट खेलते रहेंगे। ऐसे में अब स्टोक्स का अपने बचपन के क्लब डरहम के लिए खेलना तय है। स्टोक्स के अनुसार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद वह आराम का अनुभव कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि व सफेद-गेंद प्रारुप में फ्रैंचाइजी की ओर से खेलने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने डरहम के हेड कोच रयान कैंपबेल को एक संदेश भी भेजा जिससे साफ है कि वह अभी भी खेल को लेकर उत्साहित हैं। स्टोक्स ने कहा, इस सप्ताह कुछ पल ऐसे भी आए जो सच में बहुत कठिन थे और इन सब चीजों ने यह साफ कर दिया कि मैंने सही फैसला लिया है। वहीं डरहम के हेड कोच कैंपबेल को पूरी उम्मीद है कि स्टोक्स इस गर्मी में वन-डे कप में खेलते दिखेंगे। यह टूर्नामेंट 21 जुलाई से शुरु हो रहा है, जिसमें डरहम का मुकाबला पहले राउंड में डर्बीशायर से होगा। स्टोक्स का द हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए कोई अनुबंध नहीं है, क्योंकि उन्होंने इस सत्र की नीलामी में शामिल नहीं होने का फैसला किया था।

पिता ने शूटिंग किट के लिए बेची प्रॉपर्टी, अब भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी सोनम मस्कर

नई दिल्ली। कोल्हापुर की सोनम उत्तम मस्कर ने शूटिंग को बस शौक के तौर पर शुरु किया था और अब वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने की तैयारी कर रही हैं। सोनम ने बताया कि उनके पिता ने उनके सपने को पूरा करने के लिए जरुरी सामान खरीदने की खातिर एक प्रॉपर्टी बेच दी थी। 23 साल की 10 मीटर एयर राइफल शूटर उस भारतीय टीम का हिस्सा होंगी जो जापान जाएगी, जहां एशियाई खेलों में शूटिंग इवेंट्स 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आइची प्रीफेक्चुरल जनरल शूटिंग गैलरी में होंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का सफर सोनम के लिए आसान नहीं रहा। शूटिंग को करियर के रुप में अपनाने के दौरान उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रोफेशनल शूटिंग उपकरण काफी महंगे थे और कोविड-19 महामारी के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर हो गई थी। इसके बावजूद सोनम ने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत के दम पर आगे बढ़ती रहीं। सोनम ने उस पल को याद करते हुए कहा, ''एक समय ऐसा था जब हम आर्थिक मुश्किलों का सामना कर रहे थे, खासकर लॉकडाउन के दौरान।

लक्ष्य का दोहरा शतक, सागर-मानव ने लगाई सेंचुरी, भारत को मिली 152 रन की लीड

नई दिल्ली। इंडिया अंडर 19 टीम ने श्रीलंका अंडर 19 टीम के खिलाफ लक्ष्य राजेश रायचंदानी के दोहरे शतक साथ ही सागर विर्क और मानव कृष्णा की शतकीय पारी के दम पर पहली पारी में 576 रन बनाए। पहली पारी में भारत को 152 रन की बड़ी बढ़त हासिल हुई। पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने बल्ले का दम दिखाया और टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। श्रीलंका ने इस मैच की पहली पारी में 424 रन बनाए थे। पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजी शानदार रही और ये इससे जाहिर होता है कि एक खिलाड़ी ने दोहरा शतक लगाया जबकि दो खिलाड़ियों ने शतकीय पारी खेली। लक्ष्य ने पहली पारी में भारत के लिए सबसे बड़ी इनिंग खेली और उन्होंने 3 छक्के और 22 चौकों के साथ 207 रन बनाए। लक्ष्य के पास अपनी पारी के और बड़ा करने का मौका था, लेकिन चौथे दिन का खेल शुरु होने के कुछ देर के बाद ही वो आउट होकर पवेलियन लौट गए। पहली पारी में भारत के लिए ओपनर बैटर सागर विर्क के बल्ले से भी शतकीय पारी निकली और उन्होंने भी एक छक्के और 15 चौकों की मदद से 134 रन बनाए। वहीं छठे नंबर पर बैटिंग करने आए मानव कृष्णा ने भी 3 छक्के और 6 चौकों की मदद से 153 गेंदों पर 100 रन की पारी खेली। पहली पारी में भारतीय ओपनर्स लक्ष्य और सागर के बीच 295 रन की रिकॉर्ड साझेदारी भी हुई तो वहीं 8वें विकेट के लिए मानव कृष्णा और बीके किशोर के बीच 71 रन की पार्टनरशिप हुई।

मेसी ने बनाया महारिकार्ड

अटलांटा ● एजेंसी

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने अपने जादुई प्रदर्शन से टीम को फीफा विश्वकप फाइनल में पहुंचाने के दौरान ही एक नया विश्व रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इंग्लैंड के खिलाफ हुए रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मेसी ने दो गोल करने में असिस्ट (सहायता) की इससे उनकी टीम को 2-1 से जीत मिली। इसके साथ ही मेसी के नाम अब विश्वकप में कुल 12 असिस्ट दर्ज हो गए हैं। इन 12 में से 10 असिस्ट उन्होंने टूर्नामेंट के बेहद दबाव भरे नॉकआउट मुकाबलों में किए हैं, जो उनकी असाधारण खेल समझ और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाते हैं।

आंकड़ों के अनुसार मेसी इस अभूतपूर्व मुकाम तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। गौरतलब है कि विश्व कप के पूरे इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने 8 से अधिक असिस्ट नहीं किए हैं, जो मेसी की उपलब्धि को और भी खास बना देता है। मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने गोल के कई प्रयास किए लेकिन कोई भी टीम सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में इंग्लैंड ने 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन के गोल से1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से लगातार प्रयास जारी रहे, और मुकाबले के आखिरी 7 मिनटों में टीम ने एक जबरदस्त वापसी करते हुए मैच का रुख ही पलट दिया। मैच के 85वें मिनट में मेसी के एक बेहतरीन पास पर एंजो फर्नांडिज ने एक गोल दाग दिया। जिससे स्कोर 1-1 से बराबरी पर आ गया। इसके बाद मेसी ने फिर असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक शानदार पास दिया, जिसे लाउतारो मार्टिनेज ने हेडर की मदद से गोल में बदलने में कोई गलती नहीं करते हुए अर्जेंटीना को मैच में 2-1 से आगे कर दिया।

बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर टिलेमैन्स मैनचेस्टर यूनाइटेड से खेलते नजर आयेंगे

लंदन ● एजेंसी

बेल्जियम के अनुभवी मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल के एक प्रमुख क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड की ओर खेलते हुए दिखेंगे। मैनचेस्टर ने मिडफील्डर यूरी के साथ जून 2031 तक के लिए करार किया है। यह ट्रांसफर सभी जरूरी रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधिकारिक रूप से लागू किया जाएगा। वह 2026/27 सीजन से पहले माइकल कैरिक की टीम से जुड़ेंगे और नंबर 18 की जर्सी पहनेंगे। ये जर्सी क्लब के महान मिडफील्डर पॉल स्कोल्स ने 1996/97 सीजन से लेकर 2010/11 तक पहनी थी।

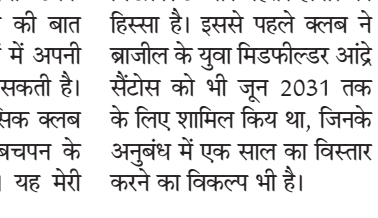

टिलेमैन्स ने बेल्जियम की ओर से 90 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और हाल ही में फीफा विश्व कप में बेल्जियम के क्वार्टर फाइनल तक के सफर में इनकी अहम भूमिका रही है। वहीं स्कोल्स जैसे दिग्गज की नंबर 18 की जर्सी पहनना उनके लिए सम्मान की बात होगी। क्लब से जुडऩे के बाद इस मिडफील्डन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैनचेस्टर यूनाइटेड जैसी बड़ी टीम का हिस्सा बनना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, शब्दों में अपनी खुशी नहीं बतायी जा सकती है। इतने बड़े और ऐतिहासिक क्लब के लिए खेलना मेरे बचपन के सपनों में शामिल था। यह मेरी कई साल की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने साथ ही कहा कि उन्हें अपने करियर में कई सफलताएं मिली हैं, लेकिन अब वे और बड़ी उपलब्धियां हासिल करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य स्पष्ट है कि आने वाले वर्षों में बड़ी ट्रॉफियां जीतनी हैं, और वे इसके लिए पूरी मेहनत करेंगे। गौरतलब है कि पिछले सीजन में, टिलेमैन्स ने एस्टन विला के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ यूरोपा लीग फाइनल में गोल कर अपनी टीम को खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मिडफील्ड और अटैक दोनों भूमिकाओं में खेलने वाले टिलेमैन्स अपनी सटीक पासिंग और खेल को आगे बढ़ाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। टिलेमैन्स के आने से मैनचेस्टर यूनाइटेड की मिडफ़ील्ड और बेहतर होगी। का हिस्सा है। इससे पहले क्लब ने ब्राजील के युवा मिडफील्डर आंद्रे सैंटोस को भी जून 2031 तक के लिए शामिल किय था, जिनके अनुबंध में एक साल का विस्तार करने का विकल्प भी है।

भूटिया और छेत्री ही नहीं भारतीय फुटबॉल में रहे हैं पीके बनर्जी, चुन्नी गोस्वामी जैसे सितारे

कोलकाता ● एजेंसी

भारतीय फुटबॉल की बात करें तो केवल दो खिलाड़ी ही लोकप्रियता हासिल करते हुए देश भर में अपनी पहचान बना पाये हैं। इनमें एक है सुनील छेत्री और दूसरे हैं बाईचुंग भूटिया। छेत्री और भूटिया ने आधुनिक भारतीय फुटबॉल को नई पहचान दी है। छेत्री ने अपने करियर में 95 से अधिक अंतरराष्ट्रीय गोल किए हैं और उन्हें भारतीय फुटबॉल का चेहरा माना जाता है, जबकि भूटिया ने 1990 के दशक में देश में फुटबॉल की लोकप्रियता बढ़ाई हालांकि भारतीय फुटबॉल इतिहास में कई अन्य दिग्गज खिलाड़ी भी रहे हैं। इसमें से एक को तो स्वयं विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने 20वीं सदी का भारत का सबसे महान फुटबॉलर घोषित किया था। इस फुटबॉलर का नाम है। प्रदीप कुमार बनर्जी जो पी के बनर्जी के नाम से जाने जाते हैं। पी के बनर्जी की बदौलत ही भारतीय टीम ने 1962 के एशियाई खेलों में फुटबॉल का स्वर्ण पदक जीता था।

पी के बनर्जी

पी के ने 1950 और 1960 के दशक में भारतीय टीम को एशिया में शीर्ष पर पहुँचाया। उन्होंने भारत के लिए 45 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 14 गोल किए। उनकी कप्तानी में भारत ने 1962 के जकार्ता में आयोजित एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। यह वह दौर था जब भारत ने फीफा विश्व कप के लिए पहली और आखिरी बार क्वालीफाई किया था, हालाँकि टीम खेलने ब्राजील नहीं गई। खेल से संन्यास लेने के बाद, बनर्जी ने एक कोच के तौर पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी। 1970 के एशियाई खेलों में जब भारत ने कांस्य पदक जीता था, तब वे ही टीम के कोच थे। वे 1986 तक भारतीय टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से जुड़े रहे और ईस्ट बंगाल तथा मोहन बागान जैसे क्लबों को कई खिताब दिलाए। उनके मार्गदर्शन में ही मोहन बागान ने महान पेले की न्यूयॉर्क कॉसमॉस के खिलाफ 2-2 से बराबरी की थी। उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए फीफा ने 2004 में उन्हें ऑर्डर ऑफ मेरिट से सम्मानित किया, जो फुटबॉल जगत के सर्वोच्च सम्मानों में से एक है, साथ ही उन्हें 20वीं सदी का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फुटबॉलर भी बताया। चुन्नी गोस्वामी : चुन्नी भी एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। वह साल 1962 के एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के कप्तान थे।

आईएम विजयन

वहीं एक अन्य खिलाड़ी आईएम विजयन को उनकी रफ्तार के लिए ब्लैक बक कहा जाता था और उन्होंने 1990 के दशक में भूटिया के साथ मिलकर कई यादगार जीत दिलाईं। सैलेन मन्ना, जिन्होंने 1951 के एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण जिताया था, दुनिया के शीर्ष डिफेंडरों में गिने जाते थे और 1953 में इंग्लैंड की फुटबॉल एसोसिएशन ने उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में शामिल किया था।

एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए एक और तेज गेंदबाज शामिल करे इंग्लैंड : ब्रॉड

बर्मिंघम ● एजेंसी

इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि अगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम में एक और तेज गेंदबाज को टीम में शामिल किया जाये। ब्रॉड के अनुसार इसका लाभ ये होगा कि एक तेज गेंदबाज बैकअप के तौर पर टीम के पास तैयार रहेगा। ब्रॉड के अनुसार भारत के खिलाफ पहले एकदिवसीय में मिली हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। उन्होंने आगाह किया है कि यदि इन कमियों को अभी ठीक नहीं किया गया तो विश्वकप में टीम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्रॉड का मानना है कि मौजूदा गेंदबाजी आक्रमण के पास अभी दबाव बनाकर लगातर विकेट लेने के लिए पर्याप्त गेंदबाज नहीं हैं। जब भी अच्छी बल्लेबाजी वाली टीम सामने आती है। गेंदबाजी दबाव में आ जाती है। ब्रॉड के अनुसार भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले में मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर नजर आयी। उनके पास भारतीय बल्लेबाजों को रोकने या विकेट लेने के लिए असरदार गेंदबाज नहीं थे। इससे सफेद गेंद क्रिकेट में टीम की कमजोर सामने आ गयी। ब्रॉड के अनुसार एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करने से टीम को न केवल अधिक विकल्प

मिलेंगे बल्कि अलग-अलग हालातों और पिचों पर बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता भी बढ़ेगी। यह गेंदबाजों के वर्कलोड को भी साझा करेगा और उन्हें पूरे टूर्नामेंट में ताजा रखने में मदद करेगा। उनका मानना है कि अब से विश्व कप तक का समय नई रणनीतियों को आजमाने और युवा तेज गेंदबाजों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव देने के लिए महत्वपूर्ण है, ताकि वे बड़े मंच के लिए तैयार हो सकें।

उनके अनुसार इंग्लैंड का एकदिवसीय रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसकना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कुछ गंभीर सुधारों की आवश्यकता है। उनका यह भी मानना है कि इंग्लैंड को सीम-बॉलिंग विकल्पों की कमी को तुरंत दूर करना चाहिए क्योंकि अगला एकदिवसीय विश्व वल्र्ड कप दक्षिण अफ्रीका, ज़िम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। साथ ही कहा कि वहां तेज और लंबे कद के गेंदबाज ही असरदार साबित होंगे।

बॉटम — अगले सत्र में नये कप्तान के साथ उतरेगी

पंड्या को बाहर कर बुमराह या तिलक को कप्तान बना सकती है मुम्बई : रिपोर्ट

मुंबई ● एजेंसी

पिछले दो सत्र से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान मुम्बई इंडियंस की टीम अब अगले सत्र में नये कप्तान के साथ उतरेगी। इससे साफ है कि टीम की कप्तानी से हार्दिक पंड्या की छुट्टी तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई इंडियंस ने आगामी सीजन 2025 के लिए अपनी रणनीतियों और टीम संरचना में व्यापक बदलाव करने की तैयारी तेज कर दी है। टीम प्रबंधन कप्तानी से लेकर कोचिंग स्टाफ तक हर जगह बदलाव कर सकता है। इसका लक्ष्य नये सत्र के लिए एक अच्छी टीम बनाना है। पिछले दो सीजन से रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे सितारों के होने के बाद भी मुंबई इंडियंस लगातार हारती रही है। इसके बाद से ही प्रबंधन पर कड़े फैसले लेने का दबाव है। बदलावें के तहत हार्दिक को हटाकर से अनुभवी मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज तिलक वर्मा में से किसी एक को कप्तानी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों खिलाड़ी कप्तानी के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, बुमराह की चोट से जुड़ी पिछली परेशानियां उनकी दावेदारी कमजोर करती हैं। ऐसे में तिलक की दावेदारी को और भी बल मिला है। तिलक अभी कम उम्र के हैं और भविष्य को देखते हुए

टीम उन्हें अवसर दे सकती है। कप्तानी में संभावित बड़े बदलावों के अलावा, मुंबई इंडियंस अपने कोचिंग स्टाफ में भी व्यापक फेरबदल की योजना बना रही है। इसमें मौजूदा मुख्य कोच को बदला जा सकता है। ताकि टीम नये विचार और रणनीति बने। रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक को कप्तानी ही नहीं टीम से भी बाहर किया जा सकता है। फ्रैंचाइजी ने हार्दिक पंड्या को गुजरात टाइटंस से एक भारी भरकम रकम खर्च कर ट्रेड किया गया था पर वह टीम को जीत दिलाने में असफल रह हैं। वहीं पंड्या ने पहले सत्र में ही गुजरात को विजेता बना दिया था। वहीं एक बार टीम उपविजेता रही थी पर मुम्बई के साथ वह जीत का सफर दोहरा नहीं पाये। उनके मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद से ही टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। इसके बाद से ही उनके खिलाफ आवाजें उठने लगी है। हार्दिक के कप्तानी पद से हटने की स्थिति में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज तिलक वर्मा में से किसी एक को कप्तानी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों खिलाड़ी कप्तानी के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, बुमराह की चोट से जुड़ी पिछली परेशानियां उनकी दावेदारी कमजोर करती हैं। ऐसे में तिलक की दावेदारी को और भी बल मिला है। तिलक अभी कम उम्र के हैं और भविष्य को देखते हुए टीम उन्हें अवसर दे सकती है। कप्तानी में संभावित बड़े बदलावों के अलावा, मुंबई इंडियंस अपने कोचिंग स्टाफ में भी व्यापक फेरबदल की योजना बना रही है। इसमें मौजूदा मुख्य कोच को बदला जा कसता है।

न्यूज ब्रीफ

तिरुपति मंदिर में टूटा रिकार्ड... एक ही दिन में 97 करोड़ का दान

तिरुपति। विश्व प्रसिद्ध तिरुपति बालाजी मंदिर को एक ही दिन में रिकॉर्ड तोड़ दान मिला है। नए संशोधित डोनर पॉलिसी के लागू होने से ठीक पहले, नियमों में बदलाव और वीआईपी दर्शन की सुविधाएं कम होने की आहट के बीच, पुराने नियमों का फायदा उठाने के लिए देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से रिकॉर्ड तोड़ 96.98 करोड़ रुपए का भारी-भरकम दान दिया। दरअसल ट्रस्ट ने वीआईपी सुविधाओं और दर्शन प्रबंधन में कुछ बदलाव किए हैं, जो मंगलवार आधी रात से लागू हुए। ट्रस्ट के अनुसार इसके पहले बुकिंग कराने वाले लोगों पर नए नियम लागू नहीं होंगे इसलिए लोगों ने उससे पहले ही पुराने नियमों के तहत दान की झड़ी लगा दी। संशोधित नीति के तहत अब स्लैब सिस्टम को खत्म कर दिया गया है। अब दानदाताओं को उनकी सटीक दान राशि के आधार पर विशेष प्रवेश दर्शन, सुपाथम प्रवेश, ब्रेक दर्शन, सुप्रभातम सेवा, कल्याणोत्सवम में भागीदारी, आवास की व्यवस्था और लड्डू, रेशमी वस्त्र, सोने-चांदी के सिक्के जैसे उपहार मिलेंगे। यह विशेषाधिकार 20 वर्ष और संस्थानों के लिए 15 वर्ष तक मान्य रहेंगे।

ममता को एक ओर झटका, टीएमसी सांसद कोयल मलिक ने दिया इस्तीफा

कोलकाता। ममता बनर्जी की टीएमसी को झटका लगा है। अभिनेत्री से राजनेता बनीं पश्चिम बंगाल से टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मलिक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्वे से पद छोड ` वाली वह चौथी सांसद हैं। कोयल से पहले भी 3 सांसद पार्वे की सांसदी को को छोड़ चुके हैं। कोयल मलिक चार महीने पहले ही 6 अप्रैल को राज्यसभा सांसद बनी थीं। टीएमसी ने उन्हें पार्वे की सीट पर राज्यसभा के लिए चुना था। इसके बाद से उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखा था। हालांकि चार महीने बाद ही उनके इस्तीफा देने से अटकलों का बाजार गर्म हो गया और लोग इसके पीछे की वजहें तलाश रहे हैं। हालांकि इनसे पहले 3 अन्य राज्यसभा सांसदों ने भी टीएमसी छोड़ दी थी और वे बीजेपी में शामिल हो गए। अब वे सभी राज्यसभा के उपचुनावों में उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं। बता दें गुरुवार को टीएमसी नेता और एक्ट्रेस कोयल मलिक ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया।

श्रीकृष्ण पांच वक्त की नमाज पढ़ते थे वाले बयान पर बवाल

इटावा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद के बीच इटावा के मौलाना जरजिश अंसारी का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में मौलाना द्वारा भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणियों पर हिंदू संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो 23 जून का है, जिसमें मौलाना झारखंड में आयोजित एक धार्मिक सभा को संबोधित करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वह कथित तौर पर दावा करते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण मुस्लिम थे और पांच वक्त की नमाज पढ़ते थे। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में श्रीमद्भगवद्गीता के एक श्लोक का उल्लेख करते हुए उसकी अपनी व्याख्या प्रस्तुत की। हालांकि, धार्मिक विद्वानों का कहना है कि भगवद्गीता के जिस श्लोक का हवाला दिया गया है, उसमें इस्लाम या नमाज का कोई उल्लेख नहीं है। उनका कहना है कि श्लोक का संबंध योग, आत्मसंयम और ईश्वर साधना से है, न कि किसी विशेष धार्मिक परंपरा से। वीडियो वायरल होने के बाद कई हिंदू संगठनों ने इसे करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए मौलाना के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अयोध्या के कुछ संतों और धर्मगुरुओं ने भी इस बयान पर नाराजगी जताई और इसे ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत बताया।

ज़मीन, आसमान से लेकर समंदर तक...पुरी सुरक्षा घेरे में तब्दील

भगवान जगन्नाथ की यात्रा को लेकर 13,000 जवान और एनएसजी कमांडो तैनात

भुवनेश्वर ● एजेंसी

कड़ी सुरक्षा और भारी बारिश के अलर्ट के बीच, भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की सालाना रथ यात्रा के लिए पुरी में पूरी तरह तैयार कर ली गई है। लाखों श्रद्धालुओं की आमद और मौसम विभाग द्वारा जारी रेड अलर्ट को देखते हुए, ओडिशा सरकार ने इस बार सुरक्षा और मैनेजमेंट को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया है। ज़मीन, आसमान से लेकर समंदर तक...पुरी को कई स्तरों वाले सुरक्षा घेरे में तब्दील कर दिया गया है। इस बार की सुरक्षा व्यवस्था में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल और बारिश से निपटने की रणनीतियां सबसे अहम हैं।

जानकारी के मुताबिक सालाना जगन्नाथ रथ यात्रा के लिए सुरक्षा इंतज़ामों पर, क्राइम ब्रांच के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस कहते हैं कि एक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। पूरे शहर में ट्रैफ़िक और भीड़ की आवाजाही पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम लागू किया है, जिसमें सभी अहम और संवेदनशील इलाके शामिल हैं। एआई एनालिटिक्स और फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इस सिस्टम को बेहतर ढंग से मैनेज करने में मदद मिलती है, जिससे ट्रैफ़िक आसानी से चलता रहता है और भीड़ की निगरानी और नियंत्रण भी ठीक से हो पाता है... इस सिस्टम में मशीन लर्निंग शामिल है, जिसका मतलब है कि इक_ा होने वाला डेटा और एआई एनालिटिक्स की क्षमताएं समय के साथ और मज़बूत और असरदार होती जाएंगी।

ध्यान देने वाली बात है कि रथ उत्सव से ठीक पहले मंदिर वाले शहर

पुरी में ज़बरदस्त बारिश हुई। मौसम विभाग ने भारी बारिश और आंधी-तूफ़ान के लिए रेड वॉर्निंग जारी की है। ग्रैंड रोड से बारिश का पानी निकालने और जुलूस को आसानी से आगे बढ़ाने के लिए खास इंतज़ाम किए गए हैं। भक्त 12वीं सदी के मंदिर से दूर श्री गुंडिचा मंदिर तक रथ खींचते हैं। पुरी के कलेक्टर ने बताया कि पानी निकालने के लिए पंपों का इस्तेमाल किया जा रहा है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि भगवान बलभद्र का तालध्वज, देवी सुभद्रा का दर्पदलन और भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष - इन तीनों लकड़ी के रथों को जुलूस के लिए जगन्नाथ मंदिर के मुख्य द्वार तक ले जाया गया है। प्रशासन गुरुवार को होने वाली सालाना रथ यात्रा को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए तैयार है। इसमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस, भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड के साथ-साथ कई विभाग शामिल होंगे। उन्होंने गवर्नर हरि बाबू कम्भमपति से मुलाकात की और उन्हें त्योहार के सुचारू, सुरक्षित और व्यवस्थित आयोजन के लिए मंदिर प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के बारे में जानकारी दी। गवर्नर को गुरुवार को पुरी में रथ यात्रा में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

एडीजी ने बताया कि 13,000 पुलिसकर्मी, केंद्रीय सशस्त्र बलों की 15 कंपनियां, एनएसजी कमांडो और समुद्र तट पर 500 लाइफगार्ड पहले ही तैनात किए जा चुके हैं। शेड्यूल के मुताबिक मूर्तियों को मंदिर से बाहर लाने और रथों पर बिठाने की रस्में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच होंगी। मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि पुरी के नाममात्र के राजा गजपति महाराजा द्वारा पारंपरिक रूप से रथ की सफाई करने और पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के आने के बाद, भक्त रथ खींचना शुरू करेंगे। ओडिशा पुलिस प्रमुख वाईबी खुरानिया ने कहा कि ज़मीन, पानी और हवा से निगरानी सहित कई स्तरों वाली सुरक्षा योजना लागू की गई है। उन्होंने कहा कि हम ज़मीन पर भीड़ को नियंत्रित करने, ट्रैफ़िक मैनेजमेंट और इमरजेंसी रिस्पॉन्स पर ध्यान देंगे, जबकि ड्रोन और एंटी-ड्रोन डिवाइस हवाई सुरक्षा में मदद करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय नौसेना, कोस्ट गार्ड और ओडिशा पुलिस मैरीटाइम स्टेशन की क्विक रिस्पॉन्स टीमें समुद्र तट पर गश्त करेंगी।

कम बारिश से कर्नाटक में सूखे की स्थिति, डिप्टी सीएम ने पीएम को लिखा पत्र

राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का किया अनुरोध

बेंगलुरु ● एजेंसी

कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी परमेश्वर ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने एनडीआरएफ के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून में कर्नाटक में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। बता दें जून महीने में कर्नाटक में 42 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 फीसदी बारिश की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 फीसदी कम बारिश हुई। उपमुख्यमंत्री परमेश्वर ने कहा कि आकलन के मुताबिक कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 फीसदी बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से अल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है। पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 फीसदी), मैसूर (55 फीसदी), मडिकेरी (51 फीसदी), चिक्कमगलुरु (48 फीसदी), दावणगेरे (47 फीसदी), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 फीसदी), कलबुर्गी (43 फीसदी), मंगलुरु (43 फीसदी) और बीदर (40 फीसदी) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। परमेश्वर ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि कर्नाटक द्वारा सूखे का आधिकारिक ज्ञापन भेजने से पहले मौजूदा सूखा आकलन के नियमों की समीक्षा की जाए।

उन्होंने मांग की कि एफआरयूआईटीएस डेटाबेस को छोटे और सीमांत किसानों की पहचान के लिए स्वीकार किया जाए। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती। उन्होंने सूखा मैनुअल-2020 के प्रावधानों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के मानकों के अनुरूप बनाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मौजूदा राहत दिशानिर्देशों के तहत 33 फीसदी से ज्यादा फसल नुकसान होने पर सहायता दी जाती है, जबकि सूखा मैनुअल में 50 फीसदी फसल नुकसान होने पर ही गंभीर सूखे की श्रेणी में माना जाता है। इसके अलावा उन्होंने केंद्र से सूखे का आकलन करने में ज्यादा लचीलापन अपनाने, वैज्ञानिक आधार पर कम अवधि के सूखे को भी मान्यता देने और सूखे की जल्द घोषणा से जुड़े नियमों में बदलाव करने की मांग की, ताकि किसानों को समय पर राहत मिल सके। डिप्टी सीएम परमेश्वर ने केंद्र सरकार से अपील की कि मौजूदा हालात को राष्ट्रीय महत्व की आपदा घोषित करने या उसी स्तर की सहायता प्रदान करने पर विचार किया जाए।

रेप की कोशिश की परिभाषा पर बवाल, महिला आयोग और सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

पटना। देशभर में पटना और इलाहाबाद हाईकोर्ट की रेप की कोशिश से जुड़ी कुछ टिप्पणियों पर गहरा विवाद छिड़ गया है। इन अदालतों ने अलग-अलग मामलों में कहा था कि महज महिला का सलवार उतारना या स्तन दबाना रेप की कोशिश नहीं। इन विवादित बयानों पर अब सुप्रीम कोर्ट ने अपनी नाराजगी जाहिर की है, वहीं राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने भी इस पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने स्पष्ट किया कि यौन अपराधों की परिभाषा तय करते समय केवल शारीरिक शोषण को आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने बल दिया कि पीड़िता की गरिमा, उसकी सहमति, घटना से उसके मन में पैदा हुआ भय और मानसिक पीड़ा को भी उतना ही महत्व दिया जाना चाहिए। महिला आयोग की अध्यक्ष रहाटकर ने चेतावनी दी कि यदि न्यायिक प्रक्रिया कानून की तकनीकी परिभाषाओं तक सीमित रह जाएगी और पीड़िता के वास्तविक अनुभवों व कानून की मूल भावना को नजरअंदाज करेगी।

भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में नया इतिहास, स्काईरूट का विक्रम-1 18 जुलाई को भरेगा पहली ऑर्बिटल परीक्षण उड़ान

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए 18 जुलाई 2026 का दिन ऐतिहासिक होने जा रहा है। भारतीय निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 18 जुलाई को सुबह 11:30 बजे आंध्र प्रदेश स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी-शार) के पहले लॉन्च पैड से अपनी पहली परीक्षण उड़ान भरने का प्रयास करेगा। यह पहली बार होगा जब किसी निजी भारतीय कंपनी द्वारा पूरी तरह डिजाइन और विकसित ऑर्बिटल श्रेणी का रॉकेट भारतीय धरती से लॉन्च किया जाएगा।

इस मिशन को 'मिशन आगमन' नाम दिया गया है। लॉन्च से पहले हवाई और समुद्री क्षेत्रों के लिए आवश्यक अधिसूचनाएं जारी कर दी गई हैं और रॉकेट के उड़ान मार्ग तथा संभावित प्रभाव क्षेत्र को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। स्काईरूट के सह-संस्थापक एवं सीईओ पवन कुमार चंदाना ने कहा कि विक्रम-1 के जमीनी स्तर पर सभी प्रमुख परीक्षण पूरे कर लिए गए हैं। पहली परीक्षण उड़ान से प्राप्त आंकड़े भविष्य में नियमित अंतरिक्ष प्रक्षेपण सेवाओं के विकास की मजबूत नींव रखेंगे।विक्रम-1 अपने साथ कई तकनीकी प्रदर्शन पेलोड के अलावा 'कॉस्मिक ब्लूम' नामक कलाकृति और एक माइक्रो-आर्ट पीस भी अंतरिक्ष में ले जाएगा। कंपनी के अनुसार, लगभग सात मंजिला ऊंचाई वाला यह बहु-चरणीय रॉकेट पूरी तरह कार्बन कंपोजिट संरचना से तैयार किया गया है। इसमें 3डी प्रिंटेड इंजन और उच्च क्षमता वाले ठोस ईंधन रॉकेट बूस्टर का उपयोग किया गया है। रॉकेट को 350 किलोग्राम तक के छोटे उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करने के लिए तैयार किया गया है। पहली परीक्षण उड़ान का लक्ष्य 450 किलोमीटर ऊंचाई पर 60 डिग्री झुकाव वाली कक्षा तक पहुंचना है। स्काईरूट इससे पहले 18 नवंबर 2022 को विक्रम-एस का सफल उप-कक्षीय प्रक्षेपण कर चुकी है। 'मिशन आगमन' भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग की वैश्विक लॉन्च सेवा क्षेत्र में बड़ी छलांग माना जा रहा है।

तसलीमा नसरीन की कोलकाता वापसी : दो दशक बाद, क्यों बुलाई गई थी सेना?

कोलकाता ● एजेंसी

मशहूर लेखिका तसलीमा नसरीन करीब दो दशक बाद 1 अगस्त को कोलकाता वापसी कर रही हैं, जहाँ वे एक बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। यह वापसी इसलिए अहम है क्योंकि साल 2007 में उन्हें अपनी किताब द्विखंडितो पर हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद शहर छोडऩे के लिए मजबूर होना पड़ा था। उस दौरान, बेकाबू हालातों को नियंत्रित करने वामपंथी सरकार को सेना बुलानी पड़ी थी और राजनीतिक दबाव में उन्हें दिल्ली जाना पड़ा।

कोलकाता के रवींद्र सदन में कार्यक्रम सेक्युलर मिशन, पश्चिमबोंगेर जोत्नो और ह्यूमन राइट्स बियॉन्ड फ्रंटियर्स ने आयोजित किया है। कोलकाता मुख्यमंत्री

शुभेंदु अधिकारी और मशहूर लेखक शीर्षेंदु मुखोपाध्याय के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है। सेक्युलर मिशन के उस्मान मलिक के अनुसार, मुख्यमंत्री सुवेंदु के सुरक्षा आश्वासन के बाद ही लेखिका ने आने पर सहमति जाहिर की है। मशहूर लेखिका तसलीमा कार्यक्रम में अपने निर्वासन और कोलकाता छोडऩे के हालातों पर बात करेंगी। नसरीन का लेखन हमेशा महिला अधिकारों पर केंद्रित रहा है। उनके उपन्यास लज्जा (1993) ने अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई, इसके बाद धमकियों के चलते उन्हें 1994 में बांग्लादेश छोडऩा पड़ा। स्वीडन की नागरिकता के साथ यूरोप में रहने के बाद, उन्होंने कोलकाता में शरण ली। हालांकि, 2003 में उनकी आत्मकथा द्विखंडितो के प्रकाशन के बाद हालात बिगड़े। धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले अंशों के कारण वाम मोर्चा सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगाया, पर 2005 में हाई कोर्ट ने इस हटा लिया। गंभीर मोड़ तब आया जब 2006 में कोलकाता की टीपू सुल्तान मस्जिद के इमाम ने तसलीमा का मुंह काला करने वाले को इनाम देने की घोषणा की। इसके बाद, 2007 में कोलकाता में हिंसक प्रदर्शनों ने शहर को अस्त-व्यस्त कर दिया, जिससे सेना की तैनाती हुई और सरकार को उन्हें शहर छोडऩे पर मजबूर करना पड़ा। उनकी वापसी पर सियासत भी गर्मा चुकी है। भाजपा के राज्यसभा सांसद राहुल सिन्हा ने पिछली सरकारों पर धार्मिक कट्टरपंथियों के सामने घुटने टेकने और तुष्टिकरण का आरोप लगाकर कहा कि अब पश्चिम बंगाल में बोलने की आजादी है। तसलीमा वर्तमान में भारत में रेजिडेंस परमिट पर रह रही हैं, जिसे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हस्तक्षेप के बाद 2024 में बढ़ाया गया था।

बॉटम

नीट,चंदे की चोरी, ई20 जैसे मुद्दों से गरमाएगी संसद

संसदीय दल की बैठक में कांग्रेस ने मानसून सत्र में सरकार को घेरने बनाया फुल-प्रूफ प्लान

नई दिल्ली ● एजेंसी

सोनिया गांधी के आवास पर गुरुवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक हुई। इसमें मल्लिकार्जुन खडग़े, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आगे कहा कि कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन्हें हम विशेष रूप से उठाएंगे।

जैसे चंदे की चोरी और विश्वासघात। प्रभु श्रीराम मंदिर के संबंध में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। हम अयोध्या में भाजपा और क्रस्स् के रचे गए घोटाले का मुद्दा जरूर उठाएंगे। नीट और ई20 घोटाला जैसे कई मुद्दे भी हैं, जिसमें कई वरिष्ठ भाजपा नेता और उनके बेटे शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें पता चला है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री परिसीमन विधेयक को वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार 17 अप्रैल को दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रही और इस विधेयक पर उसे बड़ा झटका लगा था। अब वह विधेयक को फिर से पेश करना चाहती है। कांग्रेस इस विधेयक का पहले भी विरोध करती रही है और आगे भी करती रहेगी। साथ ही विपक्षी दलों की एकजुटता बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी। जयराम रमेश ने कहा कि न्यायाधीशों को हटाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई गई है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस इस विधेयक का भी मजबूती से विरोध करेगी।

महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान लागू करें, तो पूरा समर्थन देंगे

जयराम रमेश ने कहा कि हमने 16 और 17 अप्रैल को वर्तमान लोकसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों के आरक्षण के संबंध में अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में महिलाओं के लिए इस एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान शामिल है। यदि आप 543 सदस्यीय लोकसभा का एक तिहाई मान लें, तो यह 181 आता है। इसलिए, महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान लागू करें, और हम अपना पूरा समर्थन देंगे। हालांकि, परिसीमन विधेयक जिसे महिला आरक्षण अधिनियम के रुप में पेश किया गया था, वास्तव में महिला आरक्षण की आड़ में लाया गया एक खतरनाक परिसीमन विधेयक था।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- नितिन श्रीवास द्वारा पंकज प्रीटर्स एड पेकिंजिंग, ए-16, एल्फा पार्क, सांवेर रोड,एल्फा इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित 1054-एल, यूनियन बैंक, स्कीम नं. 114 इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- नितिन श्रीवास, आर.एन.आई. नबंर - एमपीएचआईएन/20ए3002 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)